DD

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 01, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

सोमवार, 08 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

उत्तर भारत: बारिश और बाढ़ से बिगड़े हालात

पंजाब से राजस्थान तक सब पानी-पानी, आगे भी नहीं मिलेगी राहत

राजेश चौहान
नई दिल्ली

उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसूनी बारिश के बाद बाढ़ का सितम देखने को मिल रहा है। पंजाब बाढ़ से बुरी तरीके से प्रभावित है। हिमाचल, उत्तराखंड और राजस्थान में भी बाढ़ से हालात बेहद खराब है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, बिहार जैसे राज्य इन दिनों इंद्र देव के प्रकोप को झेल रहे हैं। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस बीच बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है।

बाढ़ से बिगड़े हालात

पंजाब इस समय बाढ़ के कारण बुरी तरीके से प्रभावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगे। जानकारी के अनुसार, इस आपदा में मृतकों की संख्या 46 हो गई है। वहीं. 1.75 लाख हेक्टेयर से अधिक खड़ी फसल पूरी तरीके से बर्बाद हो गई है। बताया जा रहा है कि पंजाब में 23 जिलों के 1,996 गांव बाढ़ के पानी में पूरी तरह से डूब गए हैं। राहत और बचाव कार्य काफी दिनों से चल रहा है। आईएमडी ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आज के लिए बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

विभाग के अनुसार, हिमाचल और उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में बारिश से राहत रहेगी।

पीएम मोदी नौ को करेंगे पंजाब का दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नौ सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के सबसे पहले गुरदासपुर आने की संभावना है जहां रावी नदी से छोड़े गए पानी ने कहर बरपाया हुआ है। वह अमृतसर और तरनतारन जिलों के इलाकों का भी हवाई सर्वेक्षण कर सकते हैं। वैसे अभी उनके दौरे का विवरण पंजाब सरकार को नहीं मिला है लेकिन सरकार को सूचित किया गया है कि प्रधानमंत्री नौ सितंबर को दोपहर बाद बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने बताया कि एक-दो दिन में प्रधानमंत्री के आने की विस्तृत जानकारी मिल जाएगी। भाखड़ा बांध में पानी कम होने पर भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) के प्रबंधन ने इसके 10 फीट तक खोले फ्लड गेट अब सात फीट कर दिए हैं लेकिन यहां से सतलुज दरिया में छोड़े जा रहे पानी से अब लुधियाना में बाढ़ का खतरा है।

राजस्थान में भारी बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने बताया कि गुजरात, पूर्वी राजस्थान और दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में भारी वर्षा होने की संभावना है। शनिवार को जारी एक बयान में मौसम विभाग ने बताया कि 7 सितंबर को गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ में छिटपुट स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 6 सितंबर को गुजरात क्षेत्र, 6 सितंबर को पूर्वी राजस्थान और 7 सितंबर, 2025 को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में असाधारण रूप से भारी वर्षा (30 सेमी) होने की संभावना है।

इन राज्यों के लिए भी जारी किया गया अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया कि 8 सितंबर को पश्चिमी राजस्थान, 6 और 7 सितंबर को उत्तराखंड, 8 और 9 सितंबर को हिमाचल प्रदेश, 8 से 10 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, 10 सितंबर को पंजाब, 10 और 11 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, 8 सितंबर को पूर्वी राजस्थान, 7 सितंबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, 8 सितंबर को गुजरात राज्य में भारी बारिश की संभावना है।

जेलों में अब मोबाइल, नशीले पदार्थ रखना होगा मुश्किल

कोलकाता

बंगाल की जेलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की मदद से कैदियों पर नजर रखी जाएगी। राज्य में करीब 60 जेल हैं। उन सभी में क्लोज सर्किट टीवी कैमरे लगे हैं। जेल अधिकारियों का कहना है कि मानव की आंखों से जेल के हरेक छोर पर नजर रखना संभव नहीं है। नजर हटने से बड़ी घटना हो सकती है। एआइ युक्त कैमरों से बेहद प्रभावी तरीके से नजर रखी जा सकेगी। जेल में मोबाइल, नशीले पदार्थ व हथियार छिपाकर रखे जाने पर उनका आसानी से पता लगाया जा सकेगा। एआइ तकनीकी से कैदियों की शारीरिक भाषा का भी आकलन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में शालीमार बाग विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

पूर्ण एवं लंबित परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा, भूमि उपयोग से जुड़े

फोटो: शिव ठाकुर

शिवानी ठाकुर
नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में शालीमार बाग विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से क्षेत्र में जारी कार्यों की प्रगति का आकलन करें और तय समयसीमा पर विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दें। उन्होंने पूर्ण एवं लंबित परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा, भूमि उपयोग से जुड़े विभागीय मुद्दों के समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शालीमार बाग में जलभराव वाले क्षेत्रों में हार्वेस्टिंग प्वॉइंट्स स्थापित किए जाएंगे। बाजारों को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और झुके या टेढ़े पेड़ों को हटाने की कार्यवाही शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों की सतत समीक्षा और समयबद्ध पूर्णता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी अपने एक अकाउंट पर साझा की है।

यमुना जलस्तर में दो मीटर की गिरावट, अभी भी खतरा बरकरार

रविवार को 1 बजे यमुना का जलस्तर 205 .50 दर्ज किया

मनीषा
नई दिल्ली

दिल्ली में खतरे के निशान ऊपर बह रही यमुना का जलस्तर तीसरे दिन भी गिरावट जारी है। रविवार को दोपहर 1 बजे यमुना का जलस्तर 205.50 दर्ज किया गया है। एक समय 207.48 पर पहुंचे यमुना के जलस्तर में लगातार तीन दिनों से गिरावट जारी है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने रविवार को एक्स पर करते हुए जानकारी दी कि अब यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन तक जाने वाला संपर्क मार्ग सुलभ हो गया है। तीन दिन पहले जलभराव के कारण इस मार्ग को आवागमन के लिए रोक दिया गया था, जबकि यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के अंदर मेट्रो बिना किसी रूकावट के चल रही थी। हालांकि यमुना अब भी खतरे के निशान 205.33 से ऊपर है, जिससे उसे सटे इलाकों जलमग्न है। यमुना किनारे बसे लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट कर दिया गया है। प्रशासन राहत शिविरों में रह रहे लोगों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था लगातार कर रहा है। दिल्ली सरकार ने भी राहत शिविरों में सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश पहले ही जारी कर चुका है।

निगम राहत शिविरों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में लगा हुआ

प्रशासन राहत शिविरों में रह रहे लोगों के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था लगातार कर रहा है। दिल्ली सरकार ने भी राहत शिविरों में सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश पहले ही जारी कर चुका है। दिल्ली नगर निगम राहत शिविरों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में लगा हुआ है। इसके साथ-साथ जिन घाटों पर पानी कम हो रहा है, वहां सफाई कर रहा है। लोगों को बीमारियों से बचने के लिए जरूरी उपाय भी निगम द्वारा किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीजेपी का 'मेगा प्लान'

भाजपा की कार्यशाला में पहुंचे पीएम मोदी, लास्ट सीट पर बैठकर बनाई रणनीति

नई दिल्ली
उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने सांसदों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला शुरू की है। इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए और खास बात यह रही कि वे पार्टी कार्यकताओं के साथ पीछे वाली सीट पर बैठे नजर आए। दिल्ली में हुई इस कार्यशाला की शुरूआत सुबह 9 बजे दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम और सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। इसके बाद सांसदों को दो अहम विषयों पर चर्चा करनी थी, '2027 तक विकसित भारत' और 'सोशल मीडिया का असरदार इस्तेमाल'।

भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी का क्या सम्मान
भाजपा सांसदों ने इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान भी किया और उन्हें जीएसटी सुधारों के लिए बधाई दी। दोपहर के सत्र में सांसदों को अलग-अलग समितियों में बांटा गया, जहां कृषि, रक्षा, ऊर्जा, रेलवे और परिवहन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा संसद सत्र की तैयारी, संसदीय नियम-कायदे और सदन में समय प्रबंधन जैसे विषयों पर भी सांसदों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का दूसरा दिन पूरी तरह उपराष्ट्रपति चुनाव को समर्पित रहेगा। 9 सितंबर को होने वाले चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी आमने-सामने होंगे।

साउथ इंडिया से आते हैं दोनों उम्मीदवार
दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से आते हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं और इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

वहीं, रेड्डी तेलंगाना से हैं और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज भी रह चुके हैं। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल में कोयंबटूर से दो बार सांसद रह चुके हैं। 79 वर्षीय सुदर्शन रेड्डी जुलाई 2011 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए थे। वे कई अहम फैसलों के लिए चर्चित रहे, जिनमें काला धन जांच में सरकार की ढिलाई पर सख्त टिप्पणी और छत्तीसगढ़ में सलवा जुडूम को असंवैधानिक करार देना शामिल है।

अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा

भाजपा का कहना है कि नए जीएसटी स्लैब से लोगों पर कर का बोझ कम होगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भाजपा और उसके सहयोगी दलों को उम्मीद है कि कई वस्तुओं की कीमतों में गिरावट से लोगों की भावनाएं जिस तरह सकारात्मक हुई हैं, उसका लाभ उन्हें नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मिल सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मु से मिले पीएम मोदी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। उनके कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बैठक की एक तस्वीर साझा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त

लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास 129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस तरह, सत्तारूढ़ गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं विपक्षी उम्मीदवार मार्गेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले एनडीए दूसरी पार्टियों के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में लगी है। गठबंधन को आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। अब एनडीए ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस को भी साथ लाने की कोशिश में जुटी है। बीजेडी ने अभी तक उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना रुख साफ नहीं किया है, बीआरएस को एनडीए और इंडिया दोनों ही अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव: 2 दिन में दी जाएगी ट्रेनिंग

ट्रेनिंग सेशन में सांसदों को बैलट पेपर पर सही निशान लगाने, चुनाव अधिकारी की ओर से दिया गया पेन का इस्तेमाल करने और बैलट पेपर को सही तरीके से मोड़कर बॉक्स के अंदर डालने की जानकारी दी जाएगी, ताकि वोट अमान्य न हों। दरअसल, गुप्त मतदान में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता है। ऐसे में एनडीए का फोकस क्रॉस वोटिंग रोकने और अवैध वोटों को कम करने पर है। उपराष्ट्रपति चुनाव की काउंटिंग भी 9 सितंबर को होगी। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला इंडिया कैंडिडेट और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

एनडीए को 11 अतिरिक्त सांसदों का समर्थन मिला
उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले एनडीए दूसरी पार्टियों के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में लगी है। गठबंधन को आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। अब एनडीए ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस को भी साथ लाने की कोशिश में जुटी है। बीजेडी ने अभी तक उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना रुख साफ नहीं किया है, बीआरएस को एनडीए और इंडिया दोनों ही अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुंबई: अस्पताल में विस्फोट की झूठी धमकी से मची अफरा तफरी

मुंबई
महाराष्ट्र के मुंबई सेंट्रल स्थित नायर अस्पताल बम विस्फोट की झूठी धमकी से बीती रात अस्पताल परिसर में अफरा तफरी मच गई थी। इसकी सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस के बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) की टीम तत्काल अस्पताल परिसर में पहुंची और चप्पे -चप्पे की तलाशी ली गई, लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु न मिलने से लोगों ने राहत महसूस की। इस मामले की छानबीन जारी है, धमकी भेजने वाले शख्स की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि नायर अस्पताल के डीन के ईमेल पते पर रात लगभग 11 बजे अस्पताल में बम रखे जाने की धमकी मिली थी। इसके बाद अस्पताल के अधिकारियों ने पुलिस को सूचित किया । इस सूचना के बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत इलाके में सुरक्षा बढ़ा दिया और पुलिस की टीम बम निरोधक की टीम के साथ पहुंचकर तलाशी शुरू कर दिया। अस्पताल परिसर में आज सुबह तक तलाशी लेने के बाद कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मुंबई पुलिस ने धमकी भरा मैसेज भेजने वाले अज्ञात शख्स के विरुद्ध मामला दर्ज करने के साथ छानबीन शुरू कर दी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले दिल्ली दौरे पर नवीन पटनायक

भुवनेश्वर
बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष एवं विपक्ष के नेता नवीन पटनायक चार दिवसीय दिल्ली दौरे पर रवाना हो गए हैं। उनका यह दौरा 9 सितंबर को प्रस्तावित उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज कर रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पटनायक का मुख्य उद्देश्य बीजद के राज्यसभा सांसदों के साथ विचार-विमर्श कर आगामी चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति तय करना है। हालांकि बीजद ने अब तक अपने रुख को स्पष्ट नहीं किया है। राज्यसभा में बीजद के सात सदस्य होने के कारण पार्टी का फैसला उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। यही वजह है कि राजनीतिक पर्यवेक्षकों की निगाहें बीजद के रुख पर टिकी हुई हैं।

हिमाचल: 2011 की जनगणना के आधार पर होगा पंचायत चुनावों में आरक्षण

शिमला
हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रदेश सरकार ने सीटों और पदों के आरक्षण को लेकर नई अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 में किए गए संशोधनों पर आधारित है और इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाना है। आरक्षण की गणना का आधार 2011 की जनगणना को बनाया गया है। पंचायती राज विभाग ने उपायुक्तों को पंचायती राज चुनाव आरक्षण रोस्टर जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये हैं। पंचायत चुनाव इस वर्ष के अंत या अगले साल की शुरूआत में होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों विधानसभा के मानसून सत्र में साफ किया है कि पंचायत चुनाव समय पर होंगे और इनमें किसी तरह की देरी नहीं की जाएगी। नई अधिसूचना के अनुसार ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद तक सभी स्तरों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होगा। महिलाओं के लिए सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। यह आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग की महिलाओं को उनकी जनसंख्या की प्रतिशतता के आधार पर मिलेगा। पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर भी यही व्यवस्था लागू होगी। हालांकि, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा और यह तभी लागू होगा जब उस वर्ग की जनसंख्या पांच प्रतिशत से ज्यादा हो।

प्राकृतिक आपदा का सभी को मिलकर करना होगा सामना,सरकार लोगों के साथ है: सैनी

मुख्यमंत्री ने फतेहाबाद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, प्रशासन की अव्यवस्थाओं के सवाल पर सीएम ने कहा कि जब बहुत ज्यादा बारिश आती है, तो व्यवस्थाएं भी अव्यवस्था में बदल जाती है

फतेहाबाद
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में इस बार भारी बरसात के कारण व्यवस्थाएं अव्यवस्थाओं में बदल गई है। प्राकृतिक आपदा के आगे किसी का जोर नहीं चलता, लोग धैर्य रखें, प्रदेश सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। सीएम सैनी ने रविवार को फतेहाबाद जिले का दौरा किया। उन्होंने टोहाना के बलियाला हैड और जाखल के चांदपुरा हैड का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बता दें कि पिछले कई दिनों से फतेहाबाद के भूना, टोहाना, जाखल और कुलां क्षेत्र में रिकार्ड बारिश के कारण लोगों को बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। खासकर भूना शहर में अब भी लोग जलभराव से जूझ रहे हैं। दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ के कारण लो लाइन एरिया में जलभराव हुआ है।

फतेहाबाद, टोहाना, हिसार, हांसी में जहां-जहां दिक्कतें आई है, उसको देखने के लिए आए हैं। लोगों को भविष्य में ऐसे संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए आगे समाधान निकाला जाएगा।

नकली दवाओं का कारोबार करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

देहरादून
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नकली दवाओं का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के निर्देश दिए। शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री धामी ने उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नकली दवाइयों के निर्माण और बिक्री को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए कार्य किया जाए। इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारियों, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन भावनाओं और और जन आंकाक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार दृढ़ संकल्प होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली आपदा से प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान और उनके पुनर्वास, राहत और आजीविका की व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि राजस्व सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति अपनी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करे। समिति की रिपोर्ट आने के बाद प्रदेश के अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर पुनर्वास और राहत कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में व्यापक स्तर पर स्वदेशी अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह अभियान आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रिगण, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी खरीद में स्वदेशी उत्पादों और उपकरणों को प्राथमिकता दी जाए। सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों में स्थानीय उत्पादों के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित किया जाए। जीएसटी स्लैब में हाल ही में हुए परिवर्तनों से स्वदेशी उत्पादों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अग्निवीरों के लिए समुचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। इसके लिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने किये जाएं।

उन्होंने कहा कि दृष्टि पत्र में प्रदेश की जनता के समक्ष जो वायदे किये थे,उनको पूरा करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

बैठक में प्रमुख सचिव

हिमाचल में भूस्खलन से 3 नेशनल हाइवे व 866 सड़कें बंद

शिमला
हिमाचल प्रदेश में बरसात का कहर जारी है। रविवार को भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है। हालंकि कहीं धूप तो कहीं घने बादल भी छाए रहे। मौसम विभाग ने आज और कल यानी 8 सितंबर को कुछ स्थानों पर अंधड़ चलने और आसमानी बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि 9 से 13 सितंबर तक प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है, लेकिन इसके लिए कोई अलर्ट नहीं है। बीते 24 घंटों में मॉनसून की रफ्तार कुछ धीमी हुई है और बीती रात मनाली में सर्वाधिक 24 मिमी बारिश दर्ज की गई। हालांकि भारी बारिश में कमी आने के बावजूद परेशानियां कम नहीं हुई हैं और जगह-जगह सड़कें अब भी अवरुद्ध हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक प्रदेश में तीन नेशनल हाइवे और 866 सड़कें बंद पड़ी थीं। इनमें कुल्लू का एनएच-3 और एनएच-305, लाहौल-स्पीति का एनएच-505 शामिल हैं। कुल्लू जिले में 225, मंडी में 191, शिमला में 154, चंबा में 116, सिरमौर में 45 और कांगड़ा में 42 सड़कें बंद होने से यातायात ठप है। खासकर शिमला जिले के ऊपरी इलाकों में लिंक रोड के अवरुद्ध रहने से सेब बागवानों की फसल मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही है। शिमला जिला के छैला के समीप शिमला-ठियोग-रोहड़ू सड़क भूस्खलन और मलबा गिरने के कारण पिछले कल से बंद पड़ी है।

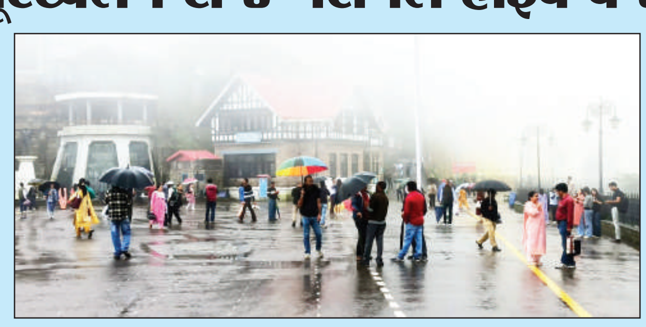

ऑपरेशन कालनेमि: साढ़े पांच हजार से अधिक लोगों का सत्यापन

देहरादून
राज्य के अपराध एवं कानून व्यवस्था पुलिस महानिरीक्षक नीलेश आनन्द भरणे ने बताया कि ऑपरेशन कालनेमि के तहत अब तक की कार्रवाई में 5 हजार 5 सौ से अधिक लोगों का सत्यापन किया गया। इस दौरान 14 से अधिक व्यक्तियों की गिरफ्तारी और 1182 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई है। इस दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जांच, ठगी से जुड़े मामलों का पदार्फाश और बाहरी तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाया गया है। अपराध एवं कानून व्यवस्था पुलिस महानिरीक्षक नीलेश आनन्द भरणे रविवार को यहां पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मुख्यमंत्री के निर्देशन में ऑपरेशन कालनेमि राज्यभर में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रहा है।

आजादी के समय यूपी की अर्थव्यवस्था देश में सबसे बड़ी थी: सीएम योगी

यूपी में अब नौकरियों की बौछार, हर क्षेत्र में यूपी अग्रणी

लखनऊ
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि आठ वर्ष पहले वे नियुक्ति पत्र वितरण के ऐसे इवेंट नहीं कर पाते थे। पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं होती थी, क्योंकि हर प्रक्रिया में कोई न कोई ऐसा व्यवधान होता था, जिस पर न्यायालय द्वारा रोक लगा दी जाती थी। शिक्षक, पुलिस, अनुदेशक की भर्ती हो या किसी अन्य विभाग की, इतना पैसा ले लिया जाता था कि वे किसी अभ्यर्थी से आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते थे। क्योंकि जब व्यक्ति बेईमानी और भ्रष्टाचार का सहारा लेता है तो उसका नैतिक पतन हो जाता है और वह चेहरा उठाकर बात नहीं कर पाता है। 2017 के पहले सरकार में बैठे लोगों ने यही स्थिति कर दी थी, जिससे यूपी का नौजवान हताश और निराश था। जब नौजवान हताश और निराश होगा तो अर्थव्यवस्था नीचे गिरेगी ही, लेकिन पिछले साढ़े 8 वर्ष में सामूहिक परिणाम हुए तो आज सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी के साथ रोजगार भी है। यूपी में अब नौकरियों की बौछार है। उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित 1510 अनुदेशकों को रविवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने लोकभवन में नवचयनित 11 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। सीएम ने निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित अनुदेशकों व अभिभावकों को बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि 8 वर्ष पहले यूपी में परंपरागत उद्यम के कलस्टर भी बंदी के कगार पर थे। 400 वर्ष पहले की बात करेंगे तो यूपी देश के सबसे समृद्ध राज्यों में था। यहां विदेशी आक्रांताओं के हमले भी हुए, अंग्रेजों ने भी लूटा। देश जब 1947 में स्वतंत्र हुआ, तब भी यूपी भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 1960 तक यूपी का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी था, लेकिन 1960 के बाद इसमें गिरावट प्रारंभ हुई। 2016 आते-आते यूपी का योगदान महज 8 फीसदी के आसपास रह गया। इन लोगों के कारनामों ने नंबर एक से नंबर आठ तक पहुंचा दिया। जब नीतियां स्वयं के स्वार्थ और वोटबैंक की चिंता करके, परिवार के हितों के संरक्षण को लेकर बनाई जाती हैं तो वह दुर्गति की तरफ लेकर जाती हैं। यूपी में अब नौकरियों की बौछार सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यूपी के नौजवानों के लिए साफ-सुथरा मंच दिया। चयनित अनुदेशकों को सिफारिश की नौबत नहीं आई होगी। जिसने तैयारी की, उसका चयन हुआ। जिसने नहीं की होगी, तैयारी करेगा, उसका आने वाले समय में होगा। अब नौकरियों की बौछार हो रही है।

बाढ प्रभावित छत्तीसगढ़ को मप्र की मदद, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5 करोड़ की राशि और राहत-सामग्री भेजी

भोपाल
देश के कई इलाकों में बारिश का कहर जारी है। मध्य प्रदेश- छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में आई भीषण बाढ़ से जन-धन की भारी क्षति हुई है। जन- जीवन अस्त व्यस्त है। इस कठिन परिस्थिति में पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश सरकार मदद के लिए आगे आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मदद का हाथ बढ़ाते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ को 5 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता के साथ-साथ राहत सामग्री से भरी एक ट्रेन उपलब्ध कराई है। राहत सामग्री को ट्रेन के जरिए भेजी जा गई है जो बस्तर के लोगों में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, पड़ोसी राज्य होने के नाते हरसंभव सहयोग करना हमारा दायित्व है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ में अतिवृष्टि और बाढ़ से निर्मित स्थिति के संदर्भ में कहा है कि कई जगह अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के हालात बन गए हैं। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भारी क्षति हुई है। ऐसी परिस्थिति में हमारा उत्तरदायित्व है कि हम पड़ोसी राज्य की सहायता करें। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मदद की भावना से 5 करोड रुपए की राशि और एक ट्रेन राहत सामग्री, छत्तीसगढ़ भेजी जा रही है। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में बाढ़ से बहुत क्षति हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सहायता के लिए जिस तत्परता से कार्य कर रही है, वह सराहनीय है।

अब बढ़ी बीमारियों की आशंका, फिर भी 20 हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं जहां मूलभूत सुविधाओं की चुनौती बनी हुई

दिल्ली में घटने लगा यमुना का जलस्तर

- 20 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में, हथनी कुंड से पानी कम छोड़े जाने से सुधार
- अभी भी जलभराव

नई दिल्ली

यमुना के उफान में लगातार कमी आ रही है। अब जलस्तर 207 मीटर से नीचे आ गया है, लेकिन अभी भी यह खतरे के निशान 205.33 मीटर से काफी ऊपर है। रविवार सुबह तक इसमें और कमी आने की उम्मीद है। नदी में पानी जरूर कम हुआ है, परंतु दिल्लीवासियों की चुनौती कम नहीं हुई है। अभी भी 20 हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। इन राहत शिविरों में साफ सफाई, पेजयल, भोजन, दवा, शौचालय आदि उपलब्ध कराने की चुनौती है। यदि पहाड़ों पर मौसम खराब हुआ तो फिर से नदी का जलस्तर बढ़ने का खतरा है। लोहा पुल बंद रहने से रेल यात्रियों की परेशानी बनी हुई है। सोमवार रात से यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बुधवार को यह 207 मीटर से ऊपर पहुंच गई थी। लेकिन, शुक्रवार सुबह से ही इसमें कमी आने लगी थी। रात होते-होते लोहा पुल के पास नदी का जलस्तर 207 मीटर से नीचे पहुंच गया था। पानी कम हो रहा है। हथनी कुंड से भी पिछले दिनों की तुलना में अब कम पानी छोड़ा जा रहा है। एक सितंबर को 3.29 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। उसके बाद भी एक लाख से लेकर दो लाख क्यूसेक प्रति घंटे पानी छोड़ा जा रहा था। लेकिन, अब यह कम होकर 50 हजार क्यूसेक से भी कम हो गया है। यमुना का पानी 206 मीटर के ऊपर पहुंचने पर नदी में गिरने वाले नालों का रेगुलेटर बंद कर दिया गया था, जिससे बेला रोड, हकीकत नगर, जहांगीर पुरी सहित कई स्थानों पर जलभराव की समस्या होने लगी थी। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नदी का पानी इसी तरह से कम होता रहा रविवार सुबह तक नालों का रेगुलेटर खोल दिया जाएगा। यमुना का पानी कम होने से सिविल लाइंस के बेला रोड, मोनेस्ट्री बाजार में लोगों की परेशानी दूर होने की उम्मीद है, लेकिन यमुना पार के खादर क्षेत्र में अभी भी पानी भरा हुआ है, इसलिए लोगों को राहत शिविर में ही रहना होगा।

पानी भरने के कारण बेला रोड सहित कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। कई स्थानों पर बिजली नेटवर्क को नुकसान पहुंचा है। बिजली वितरण कंपनियों का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है। लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। घर में पानी भरने पर तत्काल मुख्य स्विच बंद करने, बिजली के ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभों व अन्य उपकरणों से दूर रहने को कहा गया है। पल्ला-बख्तावरपुर गांव में भी यमुना का पानी ओवरफ्लो होने के बाद खेतों में घुस गया। जिसके बाद खेतों में धान की फसल पानी में गिर गए। खेतों में लगभग दो फीट पानी है। जिसके कारण धान और सब्जियों की फसलें खराब हो चुकी है।

यमुना और नाले के पानी में डूबीं तीन गांव की फसल, बीमा न होने से किसानों को भारी नुकसान

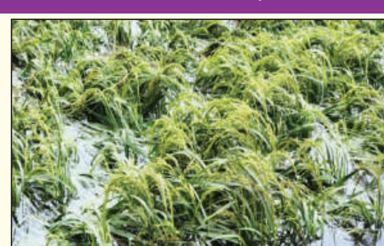

हरियाणा की सीमा सटे दिल्ली के गांवों में यमुना और नाले का पानी घुसने से धान व सब्जी की फसलें बर्बाद हो चुकी है। मामूरपुर, बख्तावरपुर और पल्ला गांव में लगभग दो सौ एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई। फसल पानी में डूबन से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जलजमाव के बाद किसान अपने खेतों में नहीं जा पा रहे हैं। मामूरपुर गांव में आठ नंबर नाला टूटने की वजह से गंदा पानी खेतों में घुस गया। जबकि, बख्तावरपुर और पल्ला गांव में यमुना नदी के पानी ने फसलों को छुबोया। नरेला के मामूरपुर गांव में लगभग दो सौ एकड़ जमीन पर कृषि है, जिसमें से डेढ़ सौ एकड़ पर खेतों में पानी भरा हुआ है। जलभराव से लगभग सौ एकड़ में धान की फसल खराब हो गई। 50 एकड़ पर गोभी, घीया, बैंगन की फसल पूर्ण रूप से नष्ट हो गई है।

रामलीला: सोमनाथ मंदिर के जरिए आकार लेगी सनातन भव्यता

अजीज सैफी
नई दिल्ली

लालकिला की ऐतिहासिक रामलीलाएं न सिर्फ सनातन परंपरा और संस्कृति की ध्वजवाहक हैं, बल्कि हिंदू आस्था के केंद्रों को भी मंच के जरिए जन-जन तक प्रचारित करने का काम करती हैं। इस क्रम में इस वर्ष लवकुश रामलीला कमेटी का मंच गुजरात स्थित ऐतिहासिक ज्योर्तिलिंग सोमनाथ मंदिर आधारित होगा, जिसे विदेशी आक्रांता महमूद गजनी ने लूटा था, लेकिन यह मंदिर फिर दृढ़ता के साथ खड़ा है। इसके पूर्व के वर्षों में लवकुश रामलीला ने अपने मंच को अयोध्या स्थित श्रीरामलला मंदिर और काशी के विश्वनाथ मंदिर का भी आकार दिया था। रामलीला का आयोजन 22 सितंबर से तीन अक्टूबर तक होगा। दो अक्टूबर को दशहरा है।

लवकुश रामलीला समिति के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि पिछले एक माह से गुजरात व उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के कारीगर और तकनीकी विशेषज्ञ इस अद्वितीय मंच के निर्माण में जुटे हैं। विशेषकर गुजरात के कारीगर बेजोड़ नक्काशी व सोने के पानी से सजे कलश के साथ हूबहू आकार दे रहे हैं। यह 140 फीट लंबा और 45 फीट ऊंचा तीन मंजिला होगा।

हर मंजिल पर लीला का भव्य मंचन होगा। शीर्ष मंजिल से आकाशीय दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे, जहां देवगण पुष्पवर्षा करते हुए नजर आएंगे। मंदिर मंच करीब सवा लाख एलईडी लाइटों से जगमग होगा। वहीं, मंदिर परिसर के चारों ओर लगी सैकड़ों जय श्रीराम लिखी पताकाएं भव्यता और दिव्यता को और प्रखर बनाएंगी।

वैवाहिक जानकारी छुपाना यौन शोषण का प्रमाण नहीं: कोर्ट

नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने बलात्कार के आरोपी एक सैन्य अधिकारी को राहत देते हुए विवाह की वर्तमान स्थिति की जानकारी न देने जैसे मुद्दों पर अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर यह मान भी लिया जाए कि याचिकाकर्ता ने वैवाहिक स्थिति की जानकारी न देकर शिकायतकर्ता को धोखा दिया है, तो भी यह नहीं कहा जा सकता कि शिकायतकर्ता को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया था। न्यायमूर्ति नीना कृष्ण बंसल की पीठ ने यह भी पाया कि शिकायत में दिए गए तथ्यों से स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध बने थे। सेना अधिकारी को अग्रिम जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि महिला का आरोप है कि पैसों के लिए उसका जबरन शोषण किया गया।

दोहरे हत्याकांड: हिरासत में लिए दो युवक, मुख्य आरोपी फरार

- हर्ष विहार में दो दोस्तों की हत्या
- सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, पुरानी रंजिश का मामला

नई दिल्ली

हर्ष विहार थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। जबकि मुख्य आरोपित दो भाई फरार चल रहे हैं, पुलिस उन तक नहीं पहुंच पाई है। पुलिस का दावा है कि फरार आरोपित जल्द पकड़े जाएंगे। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

हर्ष विहार स्थित प्रताप नगर में दो दोस्त बंटी (35) और राधे प्रजापति (30) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोनों लोनी बार्डर के पास पार्किंग संचालित करते थे। लोनी के रहने दो सगे भाइयों ने अपने तीन-चार साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। शुरूआती जांच में सामने आया कि गत 27 अगस्त का दोनों दोस्तों का आरोपित भाइयों से किसी बात पर विवाद हो गया था। आरोप है कि उस वक्त बंटी ने आरोपितों के पिता को गाली दे दी थी। उसी विवाद में तीन दिन पहले राधे, बंटी और उसके भाई कुलदीप की आरोपित भाइयों से लोनी शनि बाजार में मारपीट हुई थी। उसमें लोनी थाने में कार्रवाई हुई थी। इसी विवाद में आरोपित भाइयों ने अपने साथियों के साथ मिलकर शुक्रवार को बंटी और राधे की हत्या कर दी।

मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2014 में लोनी में एक नाबालिग की हत्या के मामले में बंटी व राधे दोनों की जेल चले गए थे। दोनों करीब नौ साल डासना जेल में बंद रहे। वर्ष 2024 में दोनों जमानत पर बाहर आए थे। राधे के परिवार के परिवार में कोई नहीं है। वह बंटी के साथ ही रहता था। वहीं बंटी का परिवार प्रताप नगर में रहता है। उनके परिवार में मां शकुंतला देवी, तीन भाई कुलदीप, विजय और अजय व एक बहन हैं।

बंटी के भाई के कुलदीप का कहना है कि उनकी ओर से आरोपित भाइयों के पिता को कोई गाली नहीं दी गई थी। उल्टा उन लोगों ने ही हमारे-माता-पिता को गाली दी थी। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि टीम घटनास्थल से गोली के कई खोखे मिले हैं। शुरूआती जांच के आधार पर रंजिश का मामला प्रतीत होता है

चिड़ियाघर में पक्षियों की सुरक्षा के उपाय सख्ती से लागू

- उपचार के दौरान एक पेंटेड स्टॉर्क की मृत्यु हो गई। चिड़ियाघर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है

नई दिल्ली

राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पक्षीशाला में जलीय पक्षियों या तालाबों के आसपास प्रवासी पक्षियों की मृत्यु की कोई नई सूचना नहीं मिली है। चिड़ियाघर में पक्षियों, जानवरों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए गहन स्वच्छता और जैव-सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया, बहुमूल्य वन्यजीवों को बचाने के लिए स्वास्थ्य सलाहकार समिति के विशेषज्ञों की सलाह पर लगातार काम किया जा रहा है। आइसोलेशन वार्ड में पक्षियों का उपचार और गहन निगरानी जारी है, हालांकि उपचार के दौरान एक पेंटेड स्टॉर्क की मृत्यु हो गई। चिड़ियाघर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और रोग को रोकने के लिए मानक प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

कैबिनेट की नई व्यवस्था से बदलेगा दिल्ली पीडब्ल्यूडी का चेहरा

- 90 प्रतिशत से अधिक अभियंता और स्टाफ दिल्ली सरकार के कैडर में आने को तैयार

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रस्तावित इंजीनियरिंग कैडर के लिए कैबिनेट का फैसला ले लिया है। इसके बाद से पीडब्ल्यूडी में नए कैडर को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है, कौन दिल्ली से बाहर जाएगा और कौन यहां रुकेगा इस पर भी बात शुरू हो गई है। विभागीय सूत्रों की मानें तो 90 प्रतिशत से अधिक अभियंता और स्टाफ दिल्ली सरकार के कैडर में आने को तैयार हैं, मगर अभी वे कैडर के लिए जारी होने वाले नियमों के इंतजार में हैं।

कैडर में रहें या सीपीडब्ल्यूडी में वापस जाएं

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से आए ये अभियंता नए कैडर में अपना लाभ, हानि के बारे में भी हिसाब लगा रहे हैं। उनकी मानें तो कैडर के नियमों की घोषणा के बाद ही वह तय कर पाएंगे कि दिल्ली के कैडर में रहें या सीपीडब्ल्यूडी में वापस जाएं। हालांकि, तमाम अभियंता दिल्ली में ही रहने की योजना बना रहे हैं । दरअसल उनके परिवार भी इसी पक्ष में हैं कि वे दिल्ली कैडर में आएं, ऐसे में कम से कम एक जगह तो रह सकेंगे।

36 श्रेणियों में 3214 पद स्वीकृत

दिल्ली में ढांचागत विकास पर बेहतर तरीके से काम करने के लिए 30 साल पहले दिल्ली सरकार ने इस ऐसे विभाग की स्थापना की थी जिसमें उसका एक भी अभियंता नहीं है।

वर्तमान में पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरिंग विंग में कुल 36 श्रेणियों में 3214 पद स्वीकृत हैं और लगभग सभी पद भरे हुए हैं।

तीन साल से लेकर पांच साल तक अधिकारी यहां तैनात रहते हैं

अभियंता से लेकर कर्मचारी तक सभी केंद्र सरकार के अंतर्गत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से आते हैं। तीन साल से लेकर पांच साल तक अधिकारी यहां तैनात रहते हैं, कई बार इससे पहले भी इनका तबादला दूसरे स्थान पर हो जाता है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों को अंजाम देने के मामले में एक बेहतर एजेंसी मानी जाती है उन्हीं के नियम कानून के आधार पर दिल्ली में भी विकास कार्य होते हैं। निर्माण कार्यों को लेकर अनियमिताओं का मामला सामने आया था।

नशे में धुत कार सवारों ने पुलिस बैरिकेड में मारी टक्कर

नई दिल्ली

कापसहेड़ा बॉर्डर पर देर रात शराब के नशे में धुत कार चालक ने पुलिस बैरिकेड को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के रोके जाने के बावजूद आरोपी चालक कार में फंसे बैरिकेड को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गए। कार रुकते ही लोगों ने चालक समेत तीन युवकों को बाहर निकालकर उनकी पिटाई कर दी। पुलिसकर्मियों ने आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

लूट मामले में मिली कामयाबी, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली

नौकरी की तलाश में दिल्ली आए एक युवक से मोबाइल और नकदी लूटने वाले बदमाश को जामा मस्जिद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया। उसके के पास से पांच हजार नकद भी बरामद हुआ है, जिसकी पहचान लोनी गाजियाबाद के फुरकान के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसके साथी को पहले से लूटे गए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया था।

पहले लाल किला घूमने गए

उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, 27 अगस्त को जामा मस्जिद थाने में एक लूट का मामला दर्ज हुआ था।

12 लाख के आभूषण सहित नकदी चोरी करने वाला गिरफ्तार,

नई दिल्ली। मध्य जिले के पुलिस थाना नबी करीम की टीम ने घर में हुई चोरी का मामला सुलझाते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से आठ लाख मूल्य के आभूषण बरामद किए गए हैं। आरोपित की पहचान पहाड़गंज के राजीव उर्फ अंकुश उर्फ राजा के रूप में हुई है, जिसने अपने साथी के साथ वारदात को अंजाम दिया था। हालांकि उसका साथी अभी फरार है।

बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट... बर्बाद हो गई फसलें

- डेंगू, चिकगुनिया, हैजा, त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियों की चपेट में लोगों के आने की संभावना बढ़ गई

नई दिल्ली

बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जल और मच्छर जनित सहित कई दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यमुना का पानी अब धीरे-धीरे उतर रहा है। ऐसे में मलेरिया, डेंगू, चिकगुनिया, हैजा, त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियों की चपेट में लोगों के आने की संभावना बढ़ गई है। सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. जुगल किशोर ने कहा कि बाढ़ के आने और उसका पानी उतरने पर कई तरह की समस्या देखने को मिलती है। बाढ़ में सांप और दूसरे कीड़-मकौड़े के काटने की घटना बढ़ जाती हैं। बाढ़ से कुत्ते भी हमलावर होकर काट लेते हैं। बाढ़ की चपेट में आने पर व्यक्ति को डायरिया और आई फ्लू हो जाता है। जब बाढ़ का पानी कम होने लगता है तो मच्छर जनित बीमारियों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही बाढ़ से प्रभावित ऐसे लोग जो पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे होते है दवा का सेवन न करने की वजह से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में लोग साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें।

बाढ़ प्रभावितों और मवेशियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : कपिल

बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

चांदनी चौक से अब लहंगा खरीदना पड़ेगा महंगा, देना होगा ज्यादा जीएसटी

- जीएसटी दर बढ़ने से बिक्री प्रभावित होगी और मध्यमवर्गीय परिवारों पर बोझ बढ़ेगा

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अगली पीढ़ी के बड़े सुधार के फैसले की जहां हर ओर सराहना हो रही है। वहीं, दिल्ली के कपड़ा कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। चांदनी चौक के थोक कपड़ा कारोबारियों के अनुसार, 2,500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे न सिर्फ बिक्री प्रभावित होगी, बल्कि इसका बोझ निम्न मध्यमवर्गीय और मध्यमवर्गीय परिवार पर बढ़ेगा। चांदनी चौक में करीब 30 हजार थोक कपड़ा कारोबारी हैं, जिनका कारोबार देश-विदेश से है। खासकर शादियों के परिधानों को लेकर यह जाना जाता है।

कपड़ों पर जीएसटी पांच प्रतिशत करने की मांग

कपड़ा कारोबारियों की संस्था दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन (डीएचएमए) ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर सभी प्रकार के कपड़ों पर जीएसटी को पांच प्रतिशत पर लाने का आग्रह किया है। पत्र में डीएचएमए के अध्यक्ष मुकेश सचदेवा व महामंत्री श्रीभगवान बंसल ने कहा है कि विवाह में लहंगा और साड़ी अनिवार्य तत्व है। ऐसे में उस पर टैक्स बढ़ाकर 18 प्रतिशत करना तर्कसंगत नहीं है। डीएचएमए ने पत्र में 2,500 रुपये की कीमत वाले कपड़ों पर जीएसटी दर को 18 फीसद से घटाकर 12 प्रतिशत करने की सराहना भी की है, लेकिन उसके ऊपर बढ़ोतरी पर निराशा जताई है। श्रीभगवान बंसल ने कहा कि पोलिस्टर यान पर जीएसटी को 12 प्रतिशत को घटाकर पांच प्रतिशत किया है, लेकिन पोलिस्टर यान बनाने वाले रासायन पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उसे भी कम किया जाना चाहिए।

पुलिस ने मोबाइल चोर को दबोचा, शातिर कालू की हुई गिरफ्तारी

- मोबाइल चोर दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा
- शिकायतकर्ता की मदद से हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली

प्रसाद नगर इलाके में एक व्यक्ति का मोबाइल चुराने वाले बदमाश को पुलिस ने शिकायतकर्ता की मदद से धर दबोचा। उसके पास से चोरी के दो मोबाइल भी बरामद हुए। आरोपी की पहचान बापा नगर करोल बाग निवासी योगेश उर्फ कालू के रूप में हुई है, जो पहले भी लूट और चोरी के चार मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी से सात मामले सुलझाने का दावा किया है। उपायुक्त निधिन वाल्सन के अनुसार, व्यक्ति का मोबाइल 4 सितंबर को चोरी हुआ था। 5 सितंबर को शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसने आरोपी को खानदार फ्लैट्स, देव नगर, करोल बाग के पास देखा था। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जहां शिकायतकर्ता ने आरोपी की ओर इशारा किया। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा करके उसे पकड़ लिया।

संपादकीय

पितृसत्ता के साये में महिला सुरक्षा !

भारत की आधी आबादी के लिए सुरक्षा आज भी एक अधूरा सपना बनी हुई है। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज आंकड़े कहते हैं कि हर दिन औसतन 86 महिलाएं बलात्कार का शिकार होती हैं। यह आंकड़ा कोई नया नहीं है, लेकिन यह तो केवल दर्ज मामलों की गिनती है। हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी है, क्योंकि असंख्य घटनाएं शिकायत की दहलीज तक पहुँचती ही नहीं। सामाजिक कलंक, बदनामी का भय और न्याय की लंबी-थकाऊ प्रक्रिया महिलाओं को चुप करा देती है। यह चुप्पी अपराधियों को ताकत देती है और पीड़िताओं को और असुरक्षित बना देती है। हाल ही में जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट और सूचकांक-2025 इस असुरक्षा को एक झलक में सामने लाता है। इस सूचकांक के अनुसार दिल्ली, पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची और फरीदाबाद सबसे असुरक्षित शहरों की सूची में हैं। दूसरी ओर मुंबई, कोहिमा, भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम और गंगटोक अपेक्षाकृत सुरक्षित माने गए हैं। यह अंतर केवल अपराध की घटनाओं का नहीं, बल्कि मानसिकता, नागरिक भागीदारी, पुलिस की जवाबदेही और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता का है। गंगटोक और कोहिमा जैसे छोटे शहर यह दिखाते हैं कि जब समाज बराबरी को स्वीकार करता है और प्रशासन संवेदनशील रहता है, तब महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकती हैं।

सर्वेक्षण में शामिल 12,770 महिलाओं में से 60 प्रतिशत ने अपने शहर को सुरक्षित माना, लेकिन 40 प्रतिशत ने साफ कहा कि वे सुरक्षित नहीं हैं। कार्यस्थलों पर स्थिति थोड़ी बेहतर है और 91 प्रतिशत महिलाओं ने खुद को सुरक्षित बताया। मगर सार्वजनिक जगहों पर तस्वीर बदल जाती है। सात प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्हें उत्पीड़न झेलना पड़ा और तीन में से दो महिलाओं ने शिकायत तक नहीं की। सार्वजनिक परिवहन में 29 प्रतिशत और अपने आस-पड़ोस में 38 प्रतिशत महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हुईं। यानी वे जगहें जो जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं बस, ट्रेनें, गलियाँ और मोहल्ले। वहीं महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित साबित हो रही हैं। हालाँकि यह भी ध्यान देना चाहिए कि सवा अरब से अधिक की आबादी वाले देश में बारह-तेरह हजार महिलाओं पर आधारित यह सर्वेक्षण केवल एक झलक भर है। असली तस्वीर जानने के लिए लाखों नागरिकों की राय पर आधारित अध्ययन चाहिए। और सबसे जरूरी यह कि ऐसे अध्ययनों के निष्कर्ष केवल रिपोर्टों और प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित न रहें, राज्य सरकारें और संस्थाएँ उन पर ठोस कार्रवाई करें। वरना यह सब महज रस्म अदायगी बनकर रह जाएगा। दरअसल यह मुद्दा सिर्फ अपराधियों का नहीं है, मुद्दा समाज की उस मानसिकता का है जो महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने को अब भी तैयार नहीं। पितृसत्ता, स्त्री उपेक्षा और लैंगिक भेदभाव हमारी सोच में गहरे धंसे हुए हैं। जब तक लड़की और लड़के के लिए अलग-अलग मानक बने रहेंगे, तब तक असमानता से उपजे अपराध मिटेंगे नहीं। परिवार और स्कूल से ही बराबरी और संवेदनशीलता की शिक्षा शुरू करनी होगी। कानूनों को और सख्त बनाना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि कानून लागू करने वाले तंत्र की जवाबदेही तय हो। पुलिस का रवैया संवेदनशील हो, शिकायत दर्ज करना आसान हो और न्याय की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हो। महिला आयोग और अन्य संस्थाओं को केवल बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने होंगे। बलात्कार, छेड़छाड़ और उत्पीड़न अलग-अलग घटनाएँ नहीं हैं, यह एक ही असुरक्षा का विस्तार हैं। आँकड़े और रिपोर्ट हमें आईना दिखाते हैं, लेकिन जब तक समाज उस आईने में झाँककर अपनी सोच और रवैया नहीं बदलेगा, तब तक कोई वास्तविक सुधार संभव नहीं। महिलाओं की सुरक्षा केवल प्रशासन का मसला नहीं है, यह सभ्यता की असली कसौटी है। घर से लेकर सड़क और कार्यस्थल तक अगर महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो किसी भी देश की तरक्की का दावा खोखला ही कहलाएगा।

कैंसर, सांस की बीमारी या हार्ट....किससे होती हैं भारत में सबसे ज्यादा मौतें?

भारत में मौतों के प्रमुख कारणों पर जारी नई रिपोर्ट ने स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक गंभीर परिस्थिति सामने रखी है. . Registrar General of India की रिपोर्ट के अनुसार, दिल की बीमारी अब मौत की सबसे बड़ी वजह बन चुकी है, जबकि श्वसन संक्रमण यानी रेस्पिरेट्री इंफेक्शन और कैंसर उससे पीछे हैं. यह आंकड़े बताते हैं कि देश में अब स्वास्थ्य नीतियों को किस दिशा में ले जाना जरूरी है. रिपोर्ट के अनुसार, Communicable diseases यानी संक्रामक बीमारियां, जैसे रेस्पिरेट्री इंफेक्शन, प्रेग्नेंसी की समस्याएं या पोषण से जुड़ी बीमारियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनकी हिस्सेदारी घट रही है. वहीं, Non-communicable diseases (NCDs) जैसे दिल की बीमारी, डायबिटीज, कैंसर और स्ट्रोक जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और मौतों में इनका योगदान अब आधे से भी ज्यादा है. यह बदलाव भारत के सामने नई चुनौती रखता है. ऐसे में आइए जानें, क्यों लगातार बढ़ रही हैं Non-communicable diseases.

भारत में किस बीमारी से कितनी मौतें?

रिपोर्ट में दर्ज आंकड़ों के अनुसार, दिल की बीमारी कुल मौतों का 31% कारण है. इसके बाद रेस्पिरेट्री इंफेक्शन 9.3% और कैंसर 6.4% मामलों में जिम्मेदार पाए गए. वहीं क्रॉनिक रेस्पिरेटरी डिजीज 5.7%, पाचन रोग 5.3%, अस्पष्ट बुखार 4.9%, अनजाने हादसे 3.7%, डायबिटीज 3.5% और गुर्दे/यूरिन डिजीज 3% मौतों की वजह बने. इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत में मौतों का ग्राफ अब सिर्फ संक्रामक बीमारियों पर केंद्रित नहीं है. उम्र के हिसाब से देखें तो स्थिति और भी स्पष्ट हो जाती है.

30 साल से ऊपर के लोगों में मौत का सबसे बड़ा कारण हार्ट डिजीज है, जो सीधे खराब लाइफस्टाइल से जुड़ा है. वहीं, 15 से 29 साल की उम्र के युवाओं में मौत का सबसे प्रमुख कारण आत्महत्या है. यह तथ्य इस ओर इशारा करता है कि जहां बुजुर्ग दिल की बीमारियों से जूझ रहे हैं, वहीं युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक दबाव बड़ी चुनौती बन गए हैं.

दल की बीमारी, कैंसर, डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी बीमारियां आज भारत में मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं. इनकी बढ़ती रफ्तार कई सामाजिक और लाइफस्टाइल से जुड़े कारणों का नतीजा है. सबसे पहला कारण है अनहेल्दी खानपान. तैलीय भोजन, जंक फूड और अधिक नमक-शक्कर का सेवन हार्ट और डायबिटीज जैसी बीमारियों को जन्म दे रहा है. दूसरा कारण है फिजिकल एक्टिविटी की कमी. शहरी जीवन की वजह से लोग ज्यादा बैठे रहते हैं और रोज एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं.

आरएमएल अस्पताल में मेडिसिन विभाग में डायरेक्टर डॉ. सुभाष गिरि बताते हैं कि आजकल लोगों को लाइफस्टाइल बहुत खराब हो चुका है.मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है. तेज लाइफस्टाइल, नौकरी का दबाव और अस्थिर सामाजिक माहौल कई बीमारियों का कारण बन रहे हैं।

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण: सावित्री बाई फुले की विरासत

शिक्षक दिवस उन महान व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का अवसर है, जो अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से राष्ट्र का भविष्य संवारते हैं। इस दिन हम भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले (1831झ1897) को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं, जिन्होंने हमारे देश में महिला शिक्षा की नींव रखने के लिए पुराने सामाजिक पूर्वाग्रहों को साहसपूर्वक चुनौती दी थी।

ऐसे दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को नापसंद किया जाता था और अक्सर हिंसक तरीके से इसका विरोध किया जाता था, सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए स्कूल खोले। उन्होंने केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि पाठ्यक्रम भी तैयार किए और महिलाओं को ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करने हेतु कविताएँ भी लिखीं। उनका जीवन साहस का प्रमाण था—वह रोजाना एक अतिरिक्त साड़ी के साथ स्कूल जाती थीं, क्योंकि रूढ़िवादी पुरुष उन पर कीचड़ और पत्थर फेंकते थे। फिर भी वह डटी रहीं, क्योंकि वह जानती थीं कि भारत का भविष्य उसकी बेटियों की शिक्षा में निहित है।

सुधारकों की विरासत और समानता का आह्वान

सावित्रीबाई फुले अपने संघर्ष में अकेली नहीं थीं। भारत के समाज सुधार की यात्रा को राजा राम मोहन राय जैसे महान व्यक्तित्वों ने दिशा दी, जिन्होंने सती प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई और महिला शिक्षा का समर्थन किया। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह और बालिका शिक्षा की वकालत की। आगे चलकर महात्मा गांधी ने भी इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। इन सभी सुधारकों का मानना था कि जब तक महिलाएँ शिक्षा से सशक्त नहीं होंगी, भारत को सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता नहीं मिल सकती।

यह विरासत आज भी आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्सर इस बात पर जोर दिया है कि भारत की विकास यात्रा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से आगे बढ़ेगी। विकसित भारत@2047 का विजन भी इसी सोच पर आधारित है, जिसमें महिलाओं को राष्ट्र निर्माण का समान भागीदार बनाया गया है, और इस सशक्तिकरण की नींव शिक्षा है।

महिलाएँ और शिक्षा: अब तक की प्रगति

स्वतंत्रता के बाद से इस दिशा में हुई प्रगति उल्लेखनीय रही है। महिला साक्षरता, जो 1951 में मुश्किल से 8.86 प्रतिशत थी, आज बढ़कर 65.46 प्रतिशत (2011 की जनगणना के अनुसार) हो चुकी है और हाल के सर्वेक्षणों से स्कूलों में लड़कियों के बढ़ते नामांकन यह इंगित करते हैं कि इसमें लगातार सुधार हो रहा है।एकीकृत जिला शिक्षा सूचनाप्रणाली (यूडीआईएसई+) 2021-22 के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) अब लड़कों की तुलना में अधिक है।

मोदी सरकार ने 2015 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की, जिसने समाज की सोच बदली, बाल लिंगानुपात में सुधार किया और स्कूली शिक्षा के हर स्तर पर लड़कियों के नामांकन को बढ़ाया। पोषण अभियान, मिशन शक्ति और सामर्थ्य जैसी पहल मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करती हैं, जिसमें शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और अवसर का सहारा मिलता है। यूडीआईएसई+ 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि पहली बार भारत में महिला शिक्षकों की संख्या कुल स्कूली शिक्षकों का 54.2 प्रतिशत हो गई है, जो 2014-15 के 46.9 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया है।यह संस्थान महिलाओं और बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों को मजबूत बनाने के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हों। सावित्रीबाई फुले के नाम के साथ, यह संस्थान शिक्षा और सुधार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के उनके विजन के प्रति जीवंत श्रद्धांजलि है।

फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कम उम्र में विवाह, सुरक्षा की चिंता और आर्थिक कारणों से कई लड़कियाँ माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ देती हैं।

सरकार इन चुनौतियों को दूर करने के लिए छात्रवृत्ति, आवासीय सुविधा, मासिक धर्म स्वच्छता पहल और डिजिटल शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि हर लड़की बिना रुकावट अपनी पढ़ाई पूरी कर सके।

राष्ट्र-निमार्ता के रूप में शिक्षक

महिला शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वे केवल पढ़ाने का काम नहीं करतीं, बल्कि लाखों बालिकाओं के लिए प्रेरणा और आदर्श भी बनती हैं। इसी तरह वे सावित्रीबाई फुले की मशाल को आगे बढ़ा रही हैं। अध्ययन बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला शिक्षकों की उपस्थिति से लड़कियों का स्कूल में नामांकन और पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ जाती है। गरीबी के चक्र को तोड़ने और परिवारों को बेहतर भविष्य का सपना दिखाने में उनका योगदान बेहद अहम है।

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, शिक्षा विकास का प्रमुख वाहक बनी हुई है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा, इसके प्रभाव को कई गुना बढ़ा देती है: शिक्षित महिलाएँ बेहतर स्वास्थ्य सेवा, कम शिशु मृत्युदर, उच्च पारिवारिक आय और मजबूत समुदाय सुनिश्चित करती हैं। यूनेस्को के अनुसार, एक लड़की की स्कूली शिक्षा का प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष उसकी भविष्य की आय में 10-20 प्रतिशत की वृद्धि करता है।

इसलिए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अपनी योजनाओं को सतत विकास लक्ष्य 4 (गुणवत्तापूर्णशिक्षा) और सतत विकास लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता) के अनुरूप बनाना जारी रखे हुए है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी लड़की पीछे न छूटे।हम शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और कौशल विकास के साथ जोड़कर ऐसा माहौल तैयार कर रहे हैं जहाँ महिलाएँ विद्यार्थी, शिक्षक, उद्यमी और नेता बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

सावित्रीबाई फुले की कहानी हमें इस बात की याद दिलाती है कि सच्ची प्रगति साहस से ही जन्म लेती है। पुणे की उनकी साधारण कक्षा से लेकर आधुनिक भारत की उन कक्षाओं तक, जहाँ करोड़ों लड़कियाँ प्रतिदिन शिक्षाग्रहण करती हैं, यह यात्रा महिलाओं और शिक्षा के प्रति समाज के दृष्टिकोण में आए व्?यापक बदलाव को दशार्ती है।लेकिन यह मिशन अभी अधूरा है।शिक्षक दिवस को मनाते हुए, आइए हम उनके विजन और हमारे प्रधानमंत्री के इस आह्वान के प्रति स्वयं को पुनःसमर्पित करें कि महिला सशक्तिकरण कल्याण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का विषय है।यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक लड़की शिक्षित हो, प्रत्येक महिला सशक्त हो और प्रत्येक शिक्षक का सम्मान हो, हम अपने सपनों का भारत बना सकते हैं।

सावित्रीबाई फुले की विरासत केवल इतिहास नहीं है - यह हमारे वर्तमान के लिए जीवंत मार्गदर्शक और भविष्य के लिए प्रकाशस्तंभ है। उनके साहस के प्रकाश में हम यह देख सकते हैं कि विकसित भारत का मार्ग उसके बेटियों और बेटों द्वारा समान रूप से नेतृत्व किया जाएगा।

प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और विपक्ष कर रहा अपमान

मृत्युंजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनाव -2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं । यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए।

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं। यही पर राहुल गांधी अपनी सारी मेहनत पर पनी फेर रहे हैं क्योकि वोटर अधिकार यात्रा वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी मां व भारत को गाली देने में परिवतर्तित हो गई। कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं में गालियां देने की होड़ सी लग गई। यह यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की सरेआम अभूतपूर्व बदतमीजी का भी रिकाउ र्बना गई।जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके विचारों को सुनना चाह रहा है।

और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है एक प्रकार से माना जाए कि वैश्विक जगत में उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी -तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नहीं छोडा।राहुल गांधी के नेत्त्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का परम उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

बिहार के दरभंगा जिले में तो सभी राजनैतिक मयार्दाओं का उस समय घोर उल्लघन कर दिया गया जब कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपषब्द कहे और उससे भी आष्चर्यजनक व हैरान करने वाली बात यह रही कि राहुल गांधी व तेजस्वी यादव ने अपने कार्यकर्ता की उस षर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी हालांकि डैमेज कंट्रोल करने के लिए कांग्रेस ने दिग्विजय सिंह को मैदान में उतारा किंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी और राहुल गांधी ने अपना सारा बना बनाया खेल बिगाड़ लिया था।

वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा होने लग गई भाजपा को बिहार में अपनी जड़े जमाने का प्रयास कर रहे प्रषांत किषोर व ओवैसी का समर्थन व सहयोग प्राप्त हो गया।अब बिहार की राजनीति में घड़ी का पेंडुलम पूरी तरह से बदल चुका है जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उन्हीं के चेहरे से हवाईयां उड़ती दिखलाई पड़ रही है बिहार विधानसभा चुनाव का पासा पलट चुका है।

पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है।प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए उन्होंने इसे केवल अपनी मां का अपमान नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया।प्रधानमंत्री मोदी का यह अत्यंत भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखां में अश्रु आ गए।अब बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे हथिया बना लिया है और बिहार में इंडी गठबंधन के खिलाफ सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया गया है।राजग गठबंधन की ओर से आयोजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं।

बिहार के दरभंगा में प्रधानमंत्री की मां के अपमान से आज संपूर्ण भारत का बीजेपी कार्यकर्ता आहत है और देशभर के अनेक स्थानों पर कांग्रेस कार्यालयों व उसके खिलाफ जोरदार प्रदर्षन किए जा रहे हैं।

इतिहास गवाह है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दी गई है या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है।मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हे गाली देने की होड़ सी लग गई है।आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी कोई रावण कहता है, किसी ने भस्मासुर तो किसी ने उन्हें वायरस बताया।दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने उन्हें कहा कि ,यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है।कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी के टुकडे -टुकडे करने की बात कही थी।बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता षषि थरूर ने तो प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी।कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देष में जहां कहीं भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया है।जब कभी भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ निजी रूप से अपमानजनक बयान दिया गया उससे कांग्रेस को ही लगातार नुकसान हो रहा है और यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं।

राजनैतिक विश्लेषक अनुमान लगा रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है।प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकताओं में अभूतपूर्व आक्रोश व्याप्त हो गया है।प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का जातिगत और धार्मिक आधार पर मतों का ध्रुवीकरण हो जाएगा।साथ ही बिहार की राजनीति में मातृषक्ति एक निर्णायक मतदाता है और नीतिष बाबू की सरकार में नारी षक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं तथा अनेक योजनाओं का ऐलान हुआ है।उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाता का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा।मां के अपमान से ध्रुवीकरण अवष्य होगा।भाजपा ने इसे समस्त भारतीयों व नारी षक्ति के अपमान से जोड़ दिया है।

मां को गाली दिए जाने पर प्रधानमंत्री मोदी का दर्द छलकना स्वाभाविक है।उनकी मां का तो तीन साल पहले स्वर्गवास हो चुका है और वह तो कभी राजनीति मे ंभी नहीं रही और न ही कभी बयानबाजी की। ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार्य नहीं करेगा।जिस दिन कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर मां की गाली दी गई थी उसी दिन राहुल और तेजस्वी उसकी कड़ी निंदा कर देते तो उनका कुछ बिगड न्हीं जाता किंतु यह लोग तो अहंकारी और अराजक तथा धूर्त राजकुमार जो ठहरे। सबसे बड़ी बात यह रही कि उनके परिवार तक ने उक्त प्रकरण की कड़ी निंदा तक नहीं की।राबड़ी देवी और उनके परिवार की अन्य महिलाओं तक ने एक षब्द तक नहीं कहा जिसका प्रतिफल तो अब इन सभी दलों को मिलेगा ही मिलेगा।राहुल गांधा चाहे जितने हाइड्रोजन बम फोड़ने का प्रयास करें वह सभी डिफयूज हो जाएंगे।राहुल गांधी के ऐसे सभी प्रयास अभी तक नाकाम ही रहे हैं।राफेल चोरी से जीसएटी का विरोध तक कोविड वैक्सीन के खिलाफ प्रचार करने तक सभी प्रयासां में वह नाकाम हुए।वोट चोरी का आरोप भी उसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है जो फुस्स हो चुका है और एक छुटभैये नेता से प्रधानमंत्री की मां का अपमान करवाकर सेल्फ गोल करवा लिया है जिसका उन्हें खामियाजा भुंगतना ही पडेगा।

प्रकृति से खिलवाड़ से होने वाली आपदा पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

अजय कुमार

आज सुप्रीम कोर्ट ने देश के पहाड़ी राज्यों में बार-बार आ रही बाढ़ और भूस्खलन की भयावह स्थिति को लेकर गहरी चिंता जताई। अदालत ने विशेष रूप से अवैध रूप से पेड़ों की कटाई और अनियोजित विकास कार्यों को इस विनाशकारी स्थिति की मूल वजह बताया। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों और राज्य एजेंसियों को फटकार लगाते हुए कहा कि केवल कागजों पर पर्यावरण संरक्षण योजनाएँ बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी कार्रवाई की सख्त जरूरत है। यह टिप्पणी अपने आप में केवल न्यायिक चेतावनी नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए एक गंभीर पर्यावरणीय संदेश है।

अवैध कटाई और पहाड़ी राज्यों का संकट

हिमालयी क्षेत्रों और दूसरे पहाड़ी राज्यों की विशेषता यह है कि वहाँ की पारिस्थितिकी बेहद संवेदनशील होती है। जंगलों की जड़ें न केवल मिट्टी को बचाती हैं बल्कि जलस्रोतों का संतुलन भी बनाए रखती हैं। जब इन क्षेत्रों में अवैध तरीके से पेड़ काटे जाते हैं, तो पहाड़ों की पकड़ कमजोर पड़ जाती है। बरसात के मौसम में थोड़ी-सी तेज बारिश भी मिट्टी को बहाकर ले जाती है। यही कारण है कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश,

सिक्किम और उत्तर-पूर्व के राज्यों में हर साल भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से इन क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण, हाइड्रो प्रोजेक्ट्स और पर्यटन के लिए अंधाधुंध निर्माण कार्य तेजी से बढ़े हैं। हजारों पेड़ काटे गए, नदी-नालों का स्वाभाविक प्रवाह रोका गया और पर्वतीय ढलानों पर कंक्रीट के निर्माण ठोक दिए गए। इन सभी ने मिलकर जलवायु संकट को और गंभीर बना दिया है। ऐसे में कोर्ट की यह टिप्पणी कि ह्वप्रकृति से खिलवाड़ सस्ती विकास नीतियों की भारी कीमत हैह्व एक सटीक चेतावनी है।

आपदा प्रबंधन या आपदा को न्योता?

कहने को तो हर राज्य के पास आपदा प्रबंधन योजना है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ये योजनाएँ केवल फाइलों और कागजों तक ही सीमित हैं। जिन क्षेत्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है, वहाँ भी भारी-भरकम होटल, रिसॉर्ट और रोड कटिंग होते हैं। बिना भूगर्भीय अध्ययन के सुरंगें खोदी जाती हैं और इससे पर्वतीय संतुलन बिगड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि बादलों का फटना, नदियों का रौद्र रूप धारण करना और पहाड़ का खिसक जाना एक नियमित आपदा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस स्थिति की ओर इशारा करते हुए कहा कि ह्वहम प्रकृति के नियमों के ऊपर नहीं उठ सकते, बल्कि हमें इन्हीं के अनुसार जीना होगा।ह्व यह टिप्पणी उन नीतिगत विफलताओं पर चोट करती है, जहाँ विकास की आड़ में पर्यावरणीय सुरक्षा को दरकिनार कर दिया जाता है।

जलवायु परिवर्तन की बड़ी कड़ी

यह मुद्दा केवल स्थानीय नहीं है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक मार पहाड़ी पारिस्थिति पर पड़ती है।

अमेरिका पर टैरिफ का असर: 88 डाक सेवाएं ठप, डाक यातायात 80फीसदी से ज्यादा घटा

एजेंसी

जिनेवा। अमेरिका में नए टैरिफ लागू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं पर भारी असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र की डाक सहयोग संस्था यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) ने 6 सितम्बर को जानकारी दी कि 88 देशों के डाक ऑपरेटरों ने अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं आंशिक या पूर्ण रूप से निलंबित कर दी हैं। यूपीयू के मुताबिक 29 अगस्त से पहले के मुकाबले अमेरिका जाने वाले डाक यातायात में 81 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। संस्था के महानिदेशक मसाहिको मेटोकी ने कहा कि ÷हम एक तकनीकी समाधान पर तेजी से काम कर रहे हैं ताकि अमेरिका के लिए डाक यातायात को दोबारा सुचारू किया जा सके। अमेरिकी प्रशासन ने जुलाई के अंत में घोषणा की थी कि 29 अगस्त से छोटे पार्सलों पर दी जाने वाली 'कर छूट' समाप्त कर दिया जाएगा। इस फैसले के बाद ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली और जापान समेत कई देशों की डाक सेवाओं ने ऐलान किया कि वे अधिकांश अमेरिकी पार्सल स्वीकार नहीं करेंगी। यूपीयू ने बताया कि जिन देशों ने सेवाएं रोकी हैं, उनमें जर्मनी की डॉयचे पोस्ट, ब्रिटेन की रॉयल मेल और बोस्निया-हर्जेगोविना की दो डाक एजेंसियां शामिल हैं। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में स्थित यूपीयू की स्थापना 1874 में हुई थी और इसके 192 सदस्य देश हैं। यह संस्था अंतरराष्ट्रीय डाक आदान-प्रदान के नियम तय करती है और सेवाओं में सुधार के लिए सुझाव देती है।

जेलेंस्की मॉस्को नहीं जाएंगे, पुतिन के सुझाव को ठुकराया

वाशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सुझाव को कठोरता के साथ ठुकरा दिया है। पुतिन ने उन्हें राजनयिक समझौते के लिए मॉस्को आने का सुझाव दिया था। जेलेंस्की ने एबीसी न्यूज को दिए गए एक साक्षात्कार में पुतिन के सुझाव पर खुलकर चर्चा की। जेलेंस्की ने कहा, वह कीव आ सकते हैं। मैं मॉस्को नहीं जा सकता। मेरा देश हर दिन मिसाइलों और हमलों की चपेट में है। मैं आतंकवादी की राजधानी नहीं जा सकता। जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन इसे समझते हैं। ज़ेलेंस्की ने यह साक्षात्कार पश्चिमी यूक्रेन में एक अमेरिकी स्वामित्व वाले विनिर्माण संयंत्र में दिया। यहां हाल ही में रूस ने मिसाइलों से हमला किया था। जेलेंस्की ने बार-बार कहा कि पुतिन उनसे मुलाकात नहीं करना चाहते, क्योंकि वह यूक्रेन में युद्ध जारी रखे हुए हैं। ज़ेलेंस्की ने कहा कि पुतिन अमेरिका के साथ खेल खेल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पुतिन ने बुधवार को कहा था, वह ज़ेलेंस्की से मुलाकात के कभी खिलाफ नहीं रहे। अगर ज़ेलेंस्की तैयार हैं, तो उन्हें मॉस्को आने दीजिए। यह मुलाकात जरूर होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति समझौते के लिए दोनों नेताओं के बीच बैठक को प्राथमिकता दी है।

घाना में सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

अकरा। दक्षिणी घाना में ड़के एक कार और ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और पाँच अन्य घायल हो गए। घाना राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा (जीएनएफएस) ने यह जानकारी दी। जीएनएफएस के क्षेत्रीय जनसंपर्क अधिकारी अब्दुल वसीउ हुडू ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 3:50 बजे केप कोस्ट-अकरा राजमार्ग पर हुई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद सड़क को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।

लंदन में फ़िलिस्तीन एक्शन के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन में 150 लोग गिरफ़्तार

लंदन। लंदन में एडवोकेसी नेटवर्क फ़िलिस्तीन एक्शन के समर्थन में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में पुलिस ने लगभग 150 लोगों को गिरफ़्तार किया। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इन अपराधों में एक पुलिस अधिकारी पर हमला और एक प्रतिबंधित संगठन के प्रति समर्थन व्यक्त करना शामिल है। विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले अभियान समूह डिफेंड अवर ज्यूरीज़ के अनुसार लगभग 1,500 लोग वेस्टमिंस्टर एब्बे के पास पार्लियामेंट स्क्वायर पर मैं नरसंहार का विरोध करता हूँ, मैं फ़िलिस्तीन एक्शन का समर्थन करता हूँ लिखे हुए पोस्टर लिए हुए एकत्र हुए। फ़िलिस्तीन एक्शन के समर्थन में नौ अगस्त को आयोजित एक अन्य प्रदर्शन में कुल 532 लोगों को गिरफ़्तार किया गया था। उल्लेखनीय है कि जुलाई में संसद सदस्यों ने फ़िलिस्तीन एक्शन को एक आतंकवादी समूह घोषित करने के लिए मतदान किया था। समूह के सदस्यों ने जून में रॉयल एयर फ़ोर्स ब्रिज नॉर्टन में घुसपैठ की थी।

सीपीएन (यूएमएल) का आजीवन अध्यक्ष बने रहने की जुगत में ओली, पेश किए दो प्रस्ताव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा 'ओली' ने यहां चल रहे पार्टी के तीन दिवसीय अधिवेशन में संगठन के संविधान में संशोधन के लिए दो प्रस्ताव पेश किया। पहले प्रस्ताव में पार्टी का आजीवन अध्यक्ष बने रहने की बात कही गयी है, जबकि दूसरे में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए उम्र सीमा हटाने का जिक्र है। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल ने कहा कि दोनों प्रस्ताव के पारित होने के बाद ओली आजीवन इस पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे। उन्होंने बताया कि सीपीएन (यूएमएल) के मौजूदा संविधान में लगातार दो कार्यकाल तक ही पार्टी अध्यक्ष बने रहने का प्रावधान है। इसी तरह यह भी प्रावधान है कि कोई नेता

अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक ही पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकता है। ओली पार्टी के लगातार दूसरी बार अध्यक्ष हैं, जिनका कार्यकाल इसी वर्ष पूरा होने वाला है। ओली इस समय 73 वर्ष के हैं। इस हिसाब से पार्टी के अगले महाधिवेशन में वो अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। इसके मद्देनजर ओली ने पार्टी महाधिवेशन से पहले ही अधिवेशन बुलाकर इन दोनों प्रावधानों को हटाने का प्रस्ताव रखा है। पार्टी प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने बताया कि ओली ने अधिवेशन के उद्घाटन सत्र के बाद के सत्र में दोनों प्रस्ताव पेश किया। ओली के इस प्रस्ताव पर शनिवार सुबह से ही अधिवेशन के प्रतिनिधि सामूहिक रूप से चर्चा कर रहे हैं। इस चर्चा के साथ ही रविवार को दोनों प्रस्ताव के बहुमत से पारित होने की उम्मीद है। ज्ञवाली ने कहा कि अधिकांश प्रतिनिधि ओली के पक्ष में हैं इसलिए यह प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित होने की उम्मीद है।हालांकि ओली के इस प्रस्ताव का कई बड़े नेताओं ने विरोध भी किया है। पार्टी उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल, राजबहादुर थापा, भीम ढकाल सहित करीब दर्जनभर स्थाई समिति सदस्यों ने इसका विरोध किया है।

काठमांडू में शुरू हुआ नेपाल-चीन की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री'

एजेंसी

काठमांडू। चीन और नेपाल की सेनाओं के बीच अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री' का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडू में शुरू हुआ।दस दिवसीय यह अभ्यास आतंकवाद विरोधी अभियानों, युद्ध प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन पर केंद्रित होगा। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का 37 सदस्यीय सैन्य दल अभ्यास में भाग लेने के लिए 5 सितंबर को ल्हासा से यहां पहुंचा था। इस वर्ष का यह अभ्यास पिछले साल चीन में सिचुआन प्रांत के चोंगकिंग में आयोजित अभ्यास की ही एक कड़ी है

नेपाल सेना के अनुसार दोनों देशों के बीच युद्धाभ्यास का यह सिलसिला 2017 में काठमांडू से शुरू हुआ था, जिसके बाद बारी-बारी से चीन और नेपाल में यह अभ्यास चल रहा है। हालांकि, 2023 में कोरोना महामारी के कारण यह युद्धाभ्यास नहीं हो पाया था। 'सागरमाथा मैत्री' सैन्य अभ्यास नियमित क्षमता निर्माण और अनुभव साझा करने की कवायद है, जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है। नेपाल और चीन के बीच बढ़ते सैन्य अभ्यासों ने भारत, अमेरिका और पश्चिमी देशों का ध्यान आकर्षित किया है, जिन्हें चीन के व्यापक बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के संदर्भ में देखा जा रहा है। नेपाल 'सूर्य किरण' श्रृंखला के तहत अमेरिका, जापान और भारत के साथ भी इसी तरह का सैन्य सहयोग रखता है।

मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने लंदन में स्थित डॉ. अंबेडकर के आवास का किया दौरा

एजेंसी

लंदन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने उस घर का दौरा किया जहां संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर लंदन में अध्ययन के दौरान रहते थे। स्टालिन तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने के लिए जर्मनी के बाद इंग्लैंड की राजकीय यात्रा पर हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उन्होंने उस घर का दौरा किया, जहां बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) में पढ़ाई के दौरान रहते थे। उन्होंने अपनी वेबसाइट के पेज पर लिखा, मुझे लंदन में डॉ. बी.आर. आंबेडकर के घर जाने का सौभाग्य मिला। बाबासाहेब आंबेडकर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस में पढ़ाई के दौरान इसी घर में ठहरे थे। वहां के कमरों में घूमते हुए, मैं बहुत प्रभावित हुआ।मुख्यमंत्री स्टालिन ने आगे लिखा, भारत में जाति से बंधा एक युवक न केवल अपने ज्ञान के बल पर बड़ा हुआ और लंदन में सम्मान अर्जित किया, बल्कि भारतीय संविधान का मुख्य निर्माता भी बना। इस अवसर पर, फादर पेरियार और आंबेडकर की

बातचीत की ऐतिहासिक तस्वीर देखकर मेरा दिल छू गया। मुझे यह प्रेरणादायक क्षण देने के लिए धन्यवाद, जयभीम। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने के लिए जर्मनी और इंग्लैंड की राजकीय यात्रा पर हैं। इससे पहले, जर्मनी में 26 कंपनियों के साथ 7,020 करोड़ रुपये के समझौते किए गए थे। इंग्लैंड में भी एम.के. स्टालिन ने रक्षा एवं अंतरिक्ष, जहाज निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, कपड़ा प्रौद्योगिकी और डिज़ाइन सहित औद्योगिक कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। इस संबंध में, मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्मनी और इंग्लैंड की यात्रा के दौरान 33 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तमिलनाडु में 15,516 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, इससे 17,613 युवाओं को रोजगार मिलेगा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश गवई ने भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी का दौरा किया

एजेंसी

काठमांडू। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने नेपाल में आज भगवान गौतम बुद्ध की पवित्र जन्मस्थली लुम्बिनी की यात्रा की। न्यायपालिका का सर्वोच्च दायित्व संभालने के बाद यह उनकी पहली नेपाल यात्रा है। उन्होंने लुम्बिनी आगमन को एक विशेष आध्यात्मिक अवसर बताया है। सुबह लुम्बिनी में आने वाले गवई का लुम्बिनी विकास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. ल्हारकयाल लामा, सदस्य सचिव सनुराजा शाक्य, कार्यकारी सदस्य श्याम रोक्का, वरिष्ठ प्रशासन प्रमुख ज्ञानिन राय और ट्रस्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वागत किया।

यात्रा के दौरान, गवई ने लुम्बिनी क्षेत्र के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के बारे में जाना। उन्होंने मायादेवी मंदिर परिसर का दौरा किया, बुद्ध की जन्मस्थली का अवलोकन किया और सूत्र का पाठ किया। उन्होंने विश्व शांति, मानव कल्याण, नेपाल की प्रगति और भारत-नेपाल के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किया। लुम्बिनी की अपनी यात्रा के बाद, अवलोकन किया । उन्होंने लुम्बिनी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए नेपाल के प्रयासों की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि इस क्षेत्र में भारत का सहयोग जारी

गवई ने लुम्बिनी विकास कोष के अधिकारियों के साथ मास्टर प्लान और वर्तमान में चल रही विकास और निर्माण गतिविधियों का रहेगा। मुख्य न्यायाधीश गवई नेपाल में आयोजित होने वाले 'नेपाल-भारत न्यायिक संवाद' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नेपाल यात्रा पर हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका: आईएफआरसी

एजेंसी

जिनेवा। अफगानिस्तान में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रीसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने आशंका जताई है कि देश में आने वाले दिनों में भूकंप से मरने वाले संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि नए झटकों के कारण सड़कों को नुकसान पहुंचने तथा भूस्खलन होने से बचाव अभियान पर असर पड़ा है। आईएफआरसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जॉय सिंघल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान में अभी करीब 40 मोबाइल चिकित्सा एवं बचाव दल काम कर रहे हैं और पीड़ितों को निकटवर्ती अस्पतालों में पहुंचाने के लिए कई हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि ये प्रयास संकट से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं हैं क्योंकि टीमें सभी प्रभावित स्थानों तक नहीं पहुंच सकती है। श्री सिंघल ने कहा कि वित्त पोषण की कमी के कारण

अफगानिस्तान में आईएफआरसी टीमों को कर्मचारियों की संख्या में कमी करने तथा कुछ स्वयंसेवकों को हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने आईएफआरसी को अतिरिक्त कार्मिक तथा चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुद्दा केवल भूकंप के बाद की स्थिति से निपटने का ही नहीं है बल्कि भविष्य में इन क्षेत्रों में रहने की परिस्थितियों का भी है क्योंकि कई परिवारों ने अपने पशुधन खो दिए हैं और पेयजल स्रोत क्षतिग्रस्त हो गए हैं तथा घरों को नुकसान पहुंचा है। श्री सिंघल ने पूरे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफ़ग़ानिस्तान का समर्थन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान और ईरान से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं लेकिन देश की आबादी कुपोषण एवं अत्यधिक खाद्य असुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना कर रही है जिससे मानवीय कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त चुनौतियां का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त की मध्य रात्रि के आसपास पूर्वी अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था और इसके बाद कई झटके महसूस किए गए। देश में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2,200 से ज़्यादा हो गई है और 3,600 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं।

ताइवान स्ट्रेट में कनाडाई और ऑस्ट्रेलियाई युद्धपोतों की मौजूदगी पर चीन भड़का, बताया चउकसावे की कार्रवाई'

एजेंसी

बीजिंग। चीन की सेना ने दावा किया कि उसने ताइवान स्ट्रेट से गुजर रहे कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के युद्धपोतों को पीछा कर चेतावनी दी। चीन ने इसे 'उकसावे' और 'मुसीबत पैदा करने वाली कार्रवाई' करार दिया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थियेटर कमांड ने बताया कि कनाडा का फ्रिगेट चविले डी क्यूबेक' और ऑस्ट्रेलिया का गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर चब्रिस्बेन' ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे। कमांड के अनुसार, चीनी नौसेना और वायुसेना ने दोनों जहाजों की निगरानी की, चेतावनी दी और 'प्रभावी तरीके से जवाब दिया।' कमांड के बयान में कहा गया, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की ये कार्रवाइयां गलत संदेश देती हैं और सुरक्षा जोखिम बढ़ाती हैं।' हालांकि, इस पर कनाडाई और ऑस्ट्रेलियाई सशस्त्र बलों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस बीच, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह स्ट्रेट में गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं और क्षेत्र की सुरक्षा व स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर वायु एवं नौसैनिक बलों की तैनाती करता है। गौरतलब है कि अमेरिका की नौसेना और कभी-कभी उसके सहयोगी देश जैसे कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस इस मार्ग से नियमित रूप से गुजरते हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानते हैं। ताइवान भी इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानता है, जबकि चीन इसे अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र का हिस्सा बताता है।चीन पिछले पांच वर्षों से ताइवान पर सैन्य दबाव बढ़ा रहा है और कई बार द्वीप के पास बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास भी कर चुका है। वहीं, ताइवान की सरकार चीन के इन क्षेत्रीय दावों को पूरी तरह खारिज करती रही है।

बांग्लादेश में ईद-ए-मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान हादसा, दो की मौत, नूरल पगला की दरगाह पर हमला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में ईद-ए-मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में जश्न-ए-जुलूस के दौरान आज हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बंदरगाह शहर चटगांव में हुआ। इसके अलावा ईद-ए-मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर राजबाड़ी स्थित नूरल पगला की दरगाह पर हमले के बाद तनाव के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस संबंध 3500 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि बंदरगाह शहर चटगांव में ईद-ए-मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में निकाले गए जश्न-ए-जुलूस के दौरान अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। मृतकों में से एक की पहचान अगराबाद सीडीए क्षेत्र के शमसुल हक के 35 वर्षीय

पुत्र महफूज के रूप में हुई है। चश्मदीदों के हवाले से चटगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पुलिस शिविर के प्रभारी नूरुल आलम आशिक ने बताया कि मुरादपुर इलाके में जश्न-ए-जुलूस के जुलूस मची भगदड़ में महफूज गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। मोहम्मदपुर शोलोशोहोर इलाके में एक छोटा पुल ढह जाने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, राजबाड़ी स्थित नूरल पगला की दरगाह पर रात हुए हमले के सिलसिले में 3,500 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ग्वालंदा घाट पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर सलीम मोल्ला ने आधी रात को 3,500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। थाना प्रभारी रकीबुल इस्लाम ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। दरगाह के आसपास के इलाके में तनाव व्याप्त है। अशांति को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान आजाद मुल्ला के बेटे रसेल मुल्ला के रूप में हुई है।

ब्रिटेन में फिलिस्तीन एक्शन समर्थकों का प्रदर्शन, हुई गिरफ्तारी

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में प्रतिबंधित संगठन फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने काफी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया। सरकार ने इस समूह को जुलाई में आतंकी संगठन घोषित किया था। फिलिस्तीन एक्शन के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने ब्रिटेन के एक रॉयल एयर फोर्स बेस में घुसकर सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचाया था। संगठन का दावा है कि ब्रिटेन सरकार गाजा में इजराइल द्वारा किए जा रहे युद्ध अपराधों में सहभागी है। पिछले कुछ हफ्तों में पुलिस ने सैकड़ों समर्थकों को हिरासत में लिया है, जिनमें से एक दिन में ही 500 से अधिक गिरफ्तारियां हुई थीं। इनमें कई 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग भी शामिल थे। संसद भवन के पास सैकड़ों लोग जमा हुए और I oppose genocide. I support Palestine Action लिखे पोस्टर लहराए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारियां शुरू की। हालांकि आधिकारिक संख्या साझा नहीं की गई, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने काफी संख्या में गिरफ्तारी होने की पुष्टि की। ब्रिटेन में प्रतिबंधित संगठनों की सूची में अब फिलिस्तीन एक्शन का नाम अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे समूहों के साथ शामिल हो गया है। इस संगठन का समर्थन करना या इसमें शामिल होना अब अपराध है, जिसकी सजा 14 साल तक की कैद हो सकती है। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी असिस्टेंट कमिश्नर एडे अडेलेकन ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा था- ÷यदि आप फिलिस्तीन एक्शन का समर्थन करते हैं, तो यह टेररिज्म एक्ट के तहत अपराध है और आपको गिरफ्तार किया जाएगा।÷ इस बीच, मानवाधिकार संगठनों ने सरकार के फैसले को अत्यधिक कठोर बताते हुए आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कदम शांतिपूर्ण विरोध करने वालों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करता है।

दक्षिण सूडान ने अमेरिका से निर्वासित मैक्सिकन नागरिक को मेक्सिको लौटाया

एजेंसी

जुबा। दक्षिण सूडान ने एक मैक्सिकन नागरिक को उसके देश वापस भेज दिया, जिसे जुलाई में अमेरिका द्वारा जुबा निर्वासित किया गया था। यह जानकारी दक्षिण सूडान के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, मेक्सिको ने आश्वासन

दिया था कि वापसी पर संबंधित नागरिक को यातना, अमानवीय व्यवहार या अनुचित मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके बाद दक्षिण सूडान ने जीसस मुन्योस गुटिरेज को मेक्सिको के नामित राजदूत अलेजांद्रो इवेस एस्टिविल के हवाले कर दिया, जो शुक्रवार को जुबा पहुंचे थे।

हालांकि गुटिरेज से तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण सूडान अमेरिका से निर्वासित होकर आए अन्य छह तृतीय-देशीय नागरिकों की सुरक्षित और मानवीय वापसी सुनिश्चित करने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नाइजीरिया में बोको हरम आतंकियों ने बर्बर हमले को दिया अंजाम, 63 लोगों की हत्या कर घरों में लगाई आग

एजेंसी

अबुजा (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में पूर्वोत्तर के एक गांव दारुल जमाल में बोको हरम के आतंकियों ने बड़ा हमला कर दर्जनों लोगों की हत्या कर दी। इस गांव में हाल ही में विस्थापितों को बसाया गया था।बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा कर आतंकी हमले में 63 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की।हमले में बड़ी संख्या घायलों की है और काफी संख्या उन लोगों की है जो घटना में जान बचा कर भागने में सफल रहे। डेली ट्रस्ट के मुताबिक, बोर्नो राज्य के दारुल जमाल में संदिग्ध बोको हरम आतंकवादियों ने दर्जनों नागरिकों और अज्ञात संख्या में सैनिकों की हत्या कर दी।हमले में काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने बर्बर तरीके से लोगों की हत्या की और घरों में आग लगा दी।हमले के दौरान काफी लोगों ने वहां से भाग कर जान बचाई।

यह घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना उमरा जुलुम ने दारुल जमाल का दौरा किया और बोको

हरम आतंकियों द्वारा मारे गए 63 लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पीड़ितों में पाँच सैनिक और लगभग 58 नागरिक शामिल थे। ये सभी पहले विद्रोहियों द्वारा विस्थापित किए गए थे लेकिन दो महीने पहले दारुल जमाल लौट आए। राज्य के गवर्नर उमरा जुलुम ने घटना में 63 लोगों के मारे गए की पुष्टि करते हुए शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी।उन्होंने समुदाय के नेताओं से मुलाकात कर कहा कि यह बहुत दुखद है। यह समुदाय कुछ महीने पहले ही बसा था और अपनी सामान्य गतिविधियाँ कर रहा था, लेकिन दुर्भाग्य से कल रात उन्हें बोको हरम के हमले का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया के स्थानीय जिहादियों ने साल 2009 में बोको हरम का गठन किया। इस संगठन का उद्देश्य पश्चिमी शिक्षा का विरोध करते हुए कट्टरपंथी इस्लामी व्यवस्था थोपना था। अपने इस उद्देश्य के लिए संगठन के आतंकियों ने दर्जनों बर्बर घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैला दी। साल 2021 में बोको हरम के कुख्यात नेता अबुबकर शेकाऊ के मरने के बाद संगठन दो हिस्सों में बंट गया। एक गुट इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा है और इसे इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) के नाम से जाना जाता है। यह गुट आमतौर पर सेना पर हमले करता है। दूसरा गुट जमातु अहलिस सुन्ना लिद्दावती वल-जिहाद (जेएएस) आम नागरिकों को निशाना बनाता है और फिरौती व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता है।

अडानी पावर ने ड्रुक ग्रीन के साथ 570 मेगावाट की हाइड्रोपावर के लिए किया समझौता, 6 हजार करोड़ रुपये का होगा निवेश

एजेंसी
नई दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पावर ने लगभग 6 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 570 मेगावाट की वांगछू जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए भूटान की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) के साथ समझौता किया है।अडाणी पावर ने जारी बयान में बताया कि भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर के साथ 570 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी की उपस्थिति में बिजली खरीद और रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कंपनी ने बताया कि समझौते के अनुसार अडाणी पावर और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प लिमिटेड (डीजीपीसी) पीकिंग रन-ऑफ-रिवर वांगछू जलविद्युत परियोजना का निर्माण बूट (निर्माण, स्वामित्व, संचालन, हस्तांतरण) मॉडल पर करेंगे। इस संबंध में बिजली खरीद समझौते और एक रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।अडाणी पावर के मुताबिक इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही तैयार हो चुकी है और निर्माण कार्य साल 2026 की पहली छमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। इसे शिलान्यास के पांच वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बच्चों के सताये बजुर्गों की मदद के लिए कांगड़ा बैंक की ऋण योजना

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में अप्रवासी हिमाचलियों द्वारा चलाये जा रहे कांगड़ा सहकारी बैंक ने बच्चों द्वारा परित्यक्त/प्रताड़ित बजुर्गों की मदद के लिए एक ऋण योजना शुरू की है। कांगड़ा सहकारी बैंक, दिल्ली के चेयरमैन लक्ष्मी दास ने यहां तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित बैंक की वार्षिक आम सभा में बताया कि महानगरों में कुछ साल से बजुर्ग माता पिता को त्यागने/प्रताड़ित करने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखने में मिल रही है। ऐसे बुजुर्गों को खाने और दवाई तक जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यह योजना कांगड़ा सहकारी बैंक के सदस्यों के लिए लागू की गयी है जिसके अंतर्गत ऐसे बुजुर्ग अपनी चल/अचल संपत्ति जैसे मकान, फ्लैट, जेवर, प्लॉट आदि को गिरबी रखकर बैंक से अपनी जरूरत के अनुरूप ऋण सुविधा प्रदान करेगा। बैंक उन्हें यह ऋण मासिक/पाक्षिक तौर पर उनकी जरूरतों के अनुसार उनके द्वार पर प्रदान करेगा। ऋण लेने वाले बुजुर्गों की मृत्यु की स्थिति में इस संपत्ति के वारिसों द्वारा ऋण और ब्याज की राशि जमा करवाने के बाद गिरबी संपत्ति उन्हें वापस कर दी जायेगी। ऋण न चुकाने पर गिरबी संपत्ति को नीलम करके बैंक अपनी पूंजी वसूलेगा और अधिशेष राशि कानूनी वारिसों को लौटा दी जायेगी।

उद्यमशीलता, स्टार्टअप के क्षेत्र में उत्तर भारत को अपनी गति बढ़ानी चाहिये: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्टार्टअप और उद्यमशीलता के क्षेत्र में उत्तर भारत से दक्षिण भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने यहां निजी क्षेत्र की चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के स्टार्ट-अप लॉन्चपैड च्कैंपस टैंक' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि औपनिवेशिक शासन के प्रभाव के कारण उत्तर भारत में आज भी सरकारी नौकरियों को सबसे अधिक तरजीह दी जाती है, जो मनाव संसाधन की संभावनाओं का दायरा सीमित कर देती हैं। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के स्टार्टअप लांचपैड च्कैंपस टैंक' की शुरुआत अग्रणी वेंचर कैपिटल फंड च्वेंचर कैटालिस्ट्स' के सहयोग से की गयी है। आयोजकों के अनुसार, इसके लिए शुरू में ही 60 लाख डॉलर के कोष की व्यवस्था की जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जतायी कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की यह पहल विशेष रूप से उत्तर भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देगी, जो स्टार्ट-अप क्रांति के मामले में थोड़ा पीछे रह गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि उत्तर भारत को देश के अन्य हिस्सों में अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए पहले से कहीं अधिक प्रयास करने होंगे।

टीवीएस मोटर ने पेश किये अपाचे के लिमिटेड संस्करण

बेंगलुरु। दुपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने अपाचे मोटरसाइकिल की लॉन्चिंग के 20 साल पूरे होने पर इसके विभिन्न संस्करणों के सीमित संस्करण लॉन्च करने की घोषणा की।कंपनी ने बताया कि वह टीवीएस अपाचे आरटीआर 160, 180, 200 और आरआर310 तथा आरटीआर 310 के सीमित संस्करण पेश कर रही है। इसके अलावा उसने दो नये संस्करण आरटीआर160 4वी और आरटीआर 200 4वी भी पेश किये हैं। इन सभी के लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। सीमित संस्करण में डुएल टोन अलॉय व्हील और यूएसबी चार्जिंग के साथ कुछ नये फीचर दिये गये हैं। नये 4वी संस्करणों में टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 और 200 में कई नये फीचर जोड़े गये हैं। इनमें अत्याधुनिक क्लास-डी प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी लाइटिंग, पांच इंच का कनेक्टेड टीएफटी क्लस्टर और ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं। इन्हें नये बोल्ड रंगों में डायनामिक ग्राफिक्स के साथ पेश किया गया है।

मारवाड़ी समाज ने ट्रेड और कॉमर्स के माध्यम से पूरे देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया- विजयेंद्र गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजयेंद्र गुप्ता ने कहा है कि मारवाड़ी समाज ने देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रेड और कॉमर्स के माध्यम से पूरे देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया और विदेशी देशों जहाँ वे प्रवासी है में भी खुशहाली के नए युग का सूत्रपात किया। नई दिल्ली के छतरपुर में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 28 वें राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए गुप्ता ने मारवाड़ी समाज को देश को विकसित राष्ट्र के निर्माण और भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था विकसित करने में भी अपना योगदान देने का अनुरोध किया । आयोजकों ने विधानसभाध्यक्ष गुप्ता का फूलों के गुलदस्तों से स्वागत और गर्म जोशी से अभिनंदन किया। समारोह में विधानसभाध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि 19 वीं शताब्दी में दिल्ली ,पंजाब ,जयपुर और बीकानेर के राजाओं ने अपने

राज्यों में आर्थिक समृद्धि के लिए मारवाड़ी समुदाय को अनेक रियायतें देकर निवेश के लिए आमंत्रित किया क्योंकि वे जानते थे कि मारवाड़ियों के बिना उनके राज्य में आर्थिक सम्पन्नता नहीं आ सकती। मारवाड़ी ईमानदारी का व्यवसाय करते हैं और अपनी संस्कृति और मूल्यों के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। मारवाड़ी समुदाय के लोग जहां भी बसे उन्होंने वहां पूरे समाज का उत्थान किया है। वर्ष 1911 में बंगाल में 11,000 मारवाड़ी बसे थे और उन्होंने मुम्बई और हैदराबाद में कालीन उद्योग में गहरी पैठ स्थापित की ।मारवाड़ी समाज ने आर्थिक संपन्नता के साथ साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी अमिट छाप छोड़ी है । साथ ही उन्होंने अस्पताल, स्कूल, सहित समाज कल्याण के लिए अनेक संस्थानों की स्थापना की जिससे समाज के सभी वर्गों को फायदा मिला। गुप्ता ने मारवाड़ी समुदाय के नवयुवकों को अमेरिका द्वारा भारत पर नई टेरिफ दरें लादने पर सचेत करते हुए देश को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए ऐसे नए उद्योग स्थापित स्थापित करने का अनुरोध किया जोकि देश की आयात पर निर्भरता को कम कर सके।

उन्होंने मारवाड़ियों को एक विशिष्ट ब्रांड करार देते हुए कहा कि उनके नाम के संस्थान उपभोक्ताओं में एक नया विश्वास और आस्था पैदा करते हैं।

सहारा इंडिया के खिलाफ 1.74 लाख करोड़ के घोटाले में आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी
नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सहारा समूह की वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ जारी जांच के तहत सहारा इंडिया और सुब्रत रॉय के परिजनों एवं कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के विरूद्ध कोलकाता की एक अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है।सूत्रों के मुताबिक ईडी ने कोलकाता स्थित धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत में यह आरोप पत्र दाखिल किया है। इसमें लगभग एक लाख 74 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया गया है। इसमें आरोप है कि ज्यादा लाभ देने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये

लिए गए। हालांकि उन्हें उनका पैसा वापस नहीं किया गया। आरोपत्र में सुब्रतो रॉय की पत्नी सपना, बेटे सुशांतो रॉय के साथ जेपी वर्मा, अनिल अब्राहम और अन्य लोग शामिल हैं। आरोप पत्र के मुताबिक सुब्रत रॉय का बेटा भगोड़ा है और वह पूछताछ में भी शामिल नहीं हुआ है। उसके खिलाफ अदालत से गैर जमानती वारंट जारी कराने की कोशिश जारी है। उल्लेखनीय है कि इस घोटाले के मुख्य आरोपित और सहारा इंडिया के संस्थापक सुब्रत रॉय का 14 नवंबर 2023 को 75 साल की उम्र में निधन हो गया था।

आईआईटी गांधीनगर ने सेमीकंडक्टर कौशल विकास और अनुसंधान में जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ संबंधों की मजबूती पर दिया जोर

एजेंसी
गांधीनगर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर-गुजरात (आईआईटीजीएन) ने जापान के इवाते प्रान्त के उप-राज्यपाल और इवाते उद्योग संवर्धन केंद्र के अध्यक्ष सासाकी जून के प्रतिनिधिमंडल के साथ सेमीकंडक्टर कौशल विकास, अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देने को संबंधों की मजबूती पर जोर दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर -गुजरात (आईआईटीजीएन) ने जापान के इवाते प्रान्त के उप-राज्यपाल और इवाते उद्योग संवर्धन केंद्र के अध्यक्ष सासाकी जून के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस प्रतिनिधिमंडल में जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी और इवाते उद्योग संवर्धन केंद्र के अधिकारी शामिल थे।संस्था के जनसंपर्क विभाग ने आज अपने बयान में बताया कि गुजरात राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन की टीम भी इस दौरे में शामिल हुई। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य सेमीकंडक्टर कौशल विकास, अनुसंधान और विकास में सहयोग को बढ़ावा देना था, जो इवाते प्रान्त और गुजरात के बीच जापान तथा भारत के मध्य तकनीकी और औद्योगिक संबंधों को मज़बूत करने की

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। आईआईटी, गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना ने अतिथि प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और नवाचार के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, आईआईटी गांधीनगर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एकीकृत सर्किट डिज़ाइन एवं प्रौद्योगिकी जैसे अत्यधुनिक क्षेत्रों में अग्रणी है, जिसे हमारे पुरस्कृत पाठ्यक्रम, उन्नत प्रयोगशालाओं, अनुसंधान पार्क और इनक्यूबेशन सेंटर का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में गुजरात की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, यह राज्य टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की अल-सक्षम 300 मिमी जैसी ऐतिहासिक परियोजनाओं का घर रहा है। धोलेरा में फैब्रिकेशन सुविधा, साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की एटीएमपी इकाई और रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टार माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के सहयोग से सीजी पावर की ओएसएटी सुविधा है।

निवेशकों के कम मूल्य के दावों के लिए आईईपीएफए ने दस्तावेज प्रक्रिया सरल बनाने का रखा प्रस्ताव

एजेंसी
नई दिल्ली। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) ने कम राशि वाले दावों के लिए दस्तावेज प्रक्रिया को सरल बनाने की पेशकश की है।

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में कहा है कि निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) द्वारा गठित समिति ने निवेशकों के कम मूल्य के दावों के लिए सरल दस्तावेजीकरण का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय के मुताबिक समिति के सुझाव आईईपीएफए द्वारा अपनाए जाने के बाद 5 लाख रुपये (भौतिक प्रतिभूतियों के लिए), 15 लाख रुपये (डीमैट प्रतिभूतियों के लिए) और 10,000 रुपये तक के लाभांश के दावों पर लागू होंगे। आईईपीएफए के पास पड़े बिना दावे वाले शेयरों की कुल संख्या 1.1 अरब से ज्यादा है, जिसका मूल्य लगभग 1 लाख करोड़ रुपये है, जबकि बिना दावे वाले लाभांश का

कुल मूल्य करीब 6,000 करोड़ रुपये है।

आईईपीएफए समिति ने मौजूदा प्रक्रियाओं की समीक्षा की और कम मूल्य के दावों के मामलों में दस्तावेज़ीकरण को सरल बनाने के लिए सुधारों की सिफ़ारिश की। इस पहल से समय सीमा में उल्लेखनीय कमी आने, पारदर्शिता में सुधार और निवेशकों को परेशानी मुक्त सेवाएं मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय के मुताबिक इस समिति में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए), निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई), भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएमएआई), भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की), पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), और भारतीय रजिस्ट्रार संघ (आरएआईएन) के प्रतिनिधि शामिल थे। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट आईईपीएफए को सौंप दी थी।

जीएसटी की नई दरें किसानों के लिए वरदान साबित होंगी: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीएसटी की नई दरें और स्लैब से कृषि के क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर असर दिखाई देगा। इससे विशेष कर छोटे और मंझोले किसानों को बहुत लाभ होगा, कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरें कम होने के कारण कृषि की लागत घटेगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में शिवराज सिंह ने कहा कि जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म-पोषक तत्वों पर जीएसटी घटाई गई है, जिससे किसानों को लाभ होगा। साथ ही, रासायनिक उर्वरकों से जैव उर्वरकों की तरफ किसानों की प्रवृति निश्चित रूप से बढ़ेगी। डेयरी क्षेत्र में अब दूध और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं होगा। इससे आम आदमी को तो लाभ होगा ही, साथ ही किसानों, पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी फायदा

मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि खेती में उत्पादन की लागत घटाना और उत्पादन बढ़ाना। उत्पादन बढ़ेगा और लागत घटेगी तो किसान का खेती में मुनाफा बढ़ेगा। जीएसटी में जो सुधार किए गए हैं अगर उन्हें देखें तो उनका बड़ा लाभ देश के किसानों को मिलने वाला है। कुछ कंपनियों ने शुरू कर दिया है। कृषि उपकरण चाहे वो ट्रैक्टर हो, हार्वेस्टर, रोटावेटर हो, अलग-अलग तरह के जो जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत की गई है वो किसान के लिए वरदान सिद्ध होगी। हमारे देश के किसानों की जोत का आकार छोटा है। इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं इंटीग्रेटेड फार्मिंग की मतलब खेती के साथ किसान खेती से जुड़े और एलाइड सेक्टर के बाकी काम कुछ न कुछ करे। जैसे पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, कृषि वानिकी, भेड़-बकरी पालन, पॉल्ट्री फार्म क्योंकि कृषि और पशुपालन तो एक-दूसरे के पूरक हैं। उस पर भी जीएसटी में जो छूट दी गई है वो भी हमारी खेती और किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। हस्तशिल्प, चमड़े का सामान, दूध उत्पाद के काम में व्यापक पैमाने पर महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप काम कर रहे हैं। जिन्होंने कई बहनों को लखपति दीदी बना दिया है। उनकी ज़िंदगी भी जीएसटी में इस छूट से और बेहतर होगी, आमदनी बढ़ेगी और लखपति दीदी के आंदोलन को भी नई ताकत मिलेगी।

जीएसटी दर कटौती के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वाहनों की कीमत 1.56 लाख रुपये तक घटाई

एजेंसी
नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने अपने यात्री वाहनों की कीमत 1.56 लाख रुपये तक घटा दी है। संशोधित कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने जारी बयान में कहा कि उसने अपने यात्री वाहनों की कीमतों में 1.56 लाख रुपये तक की कटौती की है। ये कटौती जीएसटी दरों में बदलाव की घोषणा के बाद तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। कंपनी ने कहा कि सभी लागू आईसीई पोर्टफोलियो के लिए संशोधित कीमतें 6 सितंबर, 2025 से प्रभावी हो जाएगी और इसे डीलरशिप और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पारदर्शी रूप से अपडेट की जाएंगी।कंपनी ने बताया कि बोलेरो/नियो रेंज की कीमत में 1.27 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सओ (पेट्रोल) में 1.4 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सओ (डीजल) में 1.56 लाख रुपये, थार 2डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.35 लाख रुपये, थार 4डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.01 लाख रुपये और स्कॉर्पियो क्लासिक की कीमत में 1.01 लाख रुपये की कटौती की गई है।

बयान के मुताबिक इसी तरह स्कॉर्पियो-एन की कीमत में 1.45 लाख रुपये, थार रॉक्स की कीमत में 1.33 लाख रुपये और एक्सयूवी700 की कीमत में 1.43 लाख रुपये तक की कटौती की गई है। इससे पहले टाटा मोटर्स और रेनॉल्ट इंडिया ने भी जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के चलते वाहनों की कीमतों में कटौती की घोषणा की। लेकिन, इन कंपनियों ने अपनी कीमत नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू करने का ऐलान किया है।

वित्त मंत्री ने जीएसटी सुधारों पर राज्यों का जताया आभार, कहा- हर परिवार को होगा लाभ

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में व्यापक बदलाव च्लोगों के लिए सुधार है'। इस कदम से देश के हर परिवार को लाभ होगा। इसके साथ ही खपत को बढ़ावा मिलेगा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को गति मिलगी। उन्?होंने जीएसटी सुधारों को समर्थन देने के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर आभार भी जताया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर जीएसटी व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने में उनके समर्थन और सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि जीएसटी दरों में कटौती के माध्यम से आम आदमी को राहत देने के लिए सभी राज्य एक साथ आए। इसके लिए सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को कल पत्र लिखकर उन्हें धन्यवाद दिया है। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव च्लोगों के

लिए सुधार है' और इस कदम से देश की 140 करोड़ आबादी पर सकारात्मक असर होगा। उन्होंने कहा कि राज्यों ने कर दरों में फेरबदल के प्रस्ताव पर अपने विचार रखे, लेकिन अंत में आम आदमी के हितों को ध्यान में रखकर सहमत हुए। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद का काम वाकई च्उल्लेखनीय' रहा है। वित्त मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा के लिए जीएसटी परिषद की 3 सितंबर से दो दिन की बैठक होनी थी, लेकिन दिनभर चली लंबी बैठक के बाद पहले ही दिन इसे मंजूरी दे दी गई। दरअसल परिषद की बैठक में जीएसटी में व्यापक सुधारों पर सहमति बनी थी। इसके तहत मक्खन से लेकर चॉकलेट, शैंपू से लेकर ट्रैक्टर और एयर कंडीशनर तक कई उत्पादों की दरें कम हुई हैं। सिगरेट, तंबाकू जैसे अहितकर वस्तुओं समेत जीएसटी के दायरे में आने वाली सभी वस्तुओं पर नई दरें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होंगी।

छत्तीसगढ़ में ईडी की छापेमारी में 4 करोड़ रुपये नकद और 10 किलोग्राम चांदी के जेवर जब्त

एजेंसी
रायपुर। छत्तीसगढ़ में तीन-चार सितम्बर को ईडी की रायपुर जोन की टीम ने 28 जगहों पर डीएमएफ घोटाले को लेकर की छापा मार कार्रवाई का आज खुलासा किया। ईडी ने आज जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से संबंधित कारोबारियों, ठेकेदारों और बिचौलियों के ठिकानों से छापेमारी में 4 करोड़ रुपये नकद, 10 किलोग्राम चांदी के जेवर जब्त किए गए हैं। साथ ही कई संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। इन दस्तावेजों में भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं।ईडी की जांच से उजागर हुआ है कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के डीएमएफटी फंड लगभग 350 करोड़ रुपये का उपयोग बीज निगम के माध्यम से किया गया था। मिनी दाल मिल, बीज आदि और अनुबंध मूल्य का 40 से 60 प्रतिशत तक कमीशन/रिश्वत (अपराध की आय) उनसे संपर्क कर्ताओं द्वारा ली गई थी। अंत में कुछ सरकारी अधिकारियों और अन्य सहयोगियों तक पहुंचाई गई थी। इससे पहले भी ईडी ने 21.47 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी। इसके अलावा रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए न्यायालय में एक अभियोजन शिकायत भी दायर की गई, जिसमें 16 लोगों को आरोपित बनाया गया। इसके अलावा इस मामले में तीन लोगों आईएएस रानू साहू, राज्य सेवा अधिकारी माया वारियर और मनोज कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 1860 और 1988 के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस ने विक्रेताओं/ठेकेदारों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ डीएमएफटी फंड के कथित दुरुपयोग पर एफआईआर दर्ज की। इसी के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। डीएमएफटी एक ट्रस्ट है, जिसे खनन कंपनियों से प्राप्त धन से वित्तपोषित किया जाता है और इसका उपयोग प्रभावित समुदायों के कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और पर्यावरण बहाली जैसे क्षेत्रों में किया जाता है। खनन संबंधी परियोजनाओं और गतिविधियों से प्रभावित लोगों के लाभ के लिए काम करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में डीएमएफटी स्थापित किया गया।

चावल मजबूत, गेहूं-चीनी नरम, दाल-खाद्य तेलों में भी गिरावट

नई दिल्ली।घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की कीमतों में तेजी रही जबकि गेहूं में नरमी का रुख रहा। खाद्य तेलों, दालों और चीनी के दाम भी टूट गये। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब 26 रुपये बढ़कर 3,776.83 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,848.96 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी 14 रुपये टूटकर 3,312.11 रुपये प्रति

क्विंटल रह गया। तेलों में आज मंदी का रुख रहा। सरसों तेल औसतन 65 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मूंगफली तेल में 328 रुपये और सोया तेल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। सूरजमुखी तेल 41 रुपये और वनस्पति 163 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। पाम ऑयल भी 89 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में भी नरमी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 110 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चना दाल 37 रुपये और मसूर दाल 60 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। मूंग दाल की कीमत में 45 रुपये और उड़द दाल में 41 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में भी मंदी रही। गुड़ की औसत कीमत 52 रुपये प्रति क्विंटल और चीनी की 35 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।

रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट हो सकते हैं संतुलिन विकल्प: संगठन

एजेंसी
नई दिल्ली। रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) के संगठनों ने शुक्रवार को कहा कि ये कम जोखिम के साथ ज्यादा रिटर्न देने वाले संतुलित निवेश विकल्प हो सकते हैं। रिट्स और इनविस्ट क्रमशः रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करने वाले ट्रस्ट हैं, जो एसपीवी के जरिये इन परिसंपतियों का परिचालन करते हैं। नियमों के अनुसार, उनके लिए अपने यूनिटधारकों को परिचालन से होने वाले नकद लाभ का 90 प्रतिशत देना अनिवार्य है। यह लाभ यूनिट की कीमतों में उतार-चढ़ाव से अलग है। एक तरह से हर यूनिटधारक परिसंपत्ति में हिस्सेदार होता है।उदाहरण से लिए कोई रिट्स कोई मॉल किराये पर देकर उससे किराया वसूलती है तो उसका हिस्सा यूनिटधारकों को भी मिलता है। इंडियन रिट्स एसोसिएशन और भारत इनविट्स एसोसिएशन द्वारा यहां आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में दोनों संगठनों के अधिकारियों ने कहा कि ये दोनों ऐसे निवेश विकल्प हैं,जिसमें एक नियमित आय भी होती है और यूनिट की कीमत बढ़ने से उसका लाभ भी मिलता है। यह डेट की सुरक्षा और शेयर की ऊंची आय के बीच विकल्प तलाशने वालों के लिए अच्छा अवसर है। रिट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और ब्रुकफील्ड इंडिया के प्रबंध निदेशक आलोक अग्रवाल ने कहा कि देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.5 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने अपने यूनिटधारकों को अब तक 24,300 करोड़ रुपये से ज्यादा का वितरण किया है। इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय रिट्स बाजार का आकार

2.25 लाख करोड़ रुपये था।

भारत इनविट्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एन.एस. वेंकटेश ने कहा कि इनविट्स और रिट्स बाजार का कुल आकार 10 साल में 10 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। देश में म्यूचुअल फंड को उस स्तर तक पहुंचने में 50 साल लग गये थे। इनविस्ट ने अपने यूनिटधारकों को मार्च 2025 तक 68,000 करोड़ रुपये का लाभ हस्तांतरित किया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में शुरू में विदेशी निवेशक ज्यादा आये, क्योंकि उन्हें इसका पूर्व अनुभव था। वहीं अब धीरे-धीरे घरेलू निवेशक आने शुरू हुये हैं। कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट के सीईओ मनीष सतनालीवाला ने बताया कि इनविस्ट में 50 प्रतिशत से अधिक निवेश विदेशी निवेशकों का है जबकि घरेलू निवेश मात्र 21 प्रतिशत है। इनवेस्ट बाजार के अगले पांच साल में तीन गुना बढ़ने की संभावना है। माइंडस्पेस बिजनेस पार्क रीट की मुख्य वित्तीय अधिकारी प्रीति छेड़ा ने कहा कि अमेरिका में 98 प्रतिशत से अधिक रियल एस्टेट कंपनियां रिट्स हैं जबकि भारत में मात्र 11.2 प्रतिशत इस श्रेणी में आती हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह प्रतिशत बढ़ाने के लिए नियमों में बदलाव जरूरी है।

इस समय बीमा क्षेत्र के लिए रिट्स में निवेश की सीमा तीन प्रतिशत, पेंशन फंड के लिए पांच प्रतिशत और म्यूचुअल फंड के लिए 10 प्रतिशत है। इसे बढ़ाने की जरूरत है।

एक्ट्रेस

निकिता घाग

ने फिल्म प्रोड्यूसर को बनाया बंधक, बंदूक की नोक पर लूट लिए 10 लाख रुपए

बॉलीवुड में तो फिल्में बनती ही हैं लेकिन अब बॉलीवुड में एक फिल्मी स्टाइल वाली मामला सामने आया है जो आपको चौंका देगा. मुंबई के अंधेरी वेस्ट में एक प्रोड्यूसर को अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों ने ऑफिस में बंधक बनाया और बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपये ट्रांसफर करने पर मजबूर किया. इस मामले में शुक्रवार को मुंबई की अंबोली पुलिस स्टेशन ने प्रोड्यूसर की शिकायत पर एक्ट्रेस और अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की धार 115(2), 189(2), 190, 191(2)(3), 308(2)(6), 333, 351 और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है.

एक्ट्रेस निकिता घाग के खिलाफ ये मामला फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने दर्ज कराया है. उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग करीब दर्जनभर लोगों के साथ उनके स्टूडियो चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची. उस वक्त कुमार अपने केबिन में कुछ कलाकारों व दोस्तों के साथ बैठे थे. इसके बाद अचानक 10 से 15 लोग अंदर घुसे और गाली-गलौज करने लगे. जिसके बाद सभी को बाहर निकाला गया.

प्रोड्यूसर ने बयान में क्या कहा ?

प्रोड्यूसर के मुताबिक गुट में आए लोगों में से एक युवक ने खुद को दादा बताते हुए अपना नाम विवेक जगताप बताया. इसके बाद निकिता और उसके साथियों ने प्रोड्यूसर पर झूठे आरोप लगाते हुए बदनाम करने की धमकी दी और 25 लाख रुपये की मांग की. जब प्रोड्यूसर ने इस बात का विरोध किया तो उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की गई. इस दौरान एक आरोपी ने हवा में चाकू लहराया जबकि जगताप ने कमर में रखी पिस्तौल दिखाकर डराने की कोशिश की.

3 घंटे तक प्रोड्यूसर को बनाया गया बंधक

प्रोड्यूसर कृष्ण कुमार मीणा ने पुलिस को बताया कि दबाव में उन्हें अपने मोबाइल फोन और ओटीपी वैरिफिकेशन के जरिए 10 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने पड़े. आरोपियों ने उनके कर्मचारी से जबरन ईमेल लिखवाया जिसमें इस रकम को निकिता घाग की एक्टिंग फीस का एडवांस बताया गया. प्रोड्यूसर की मानें तो एक्ट्रेस की ओर से ये टॉर्चर लंबा चला. करीब तीन घंटे तक प्रोड्यूसर को ऑफिस में बंधक बनाए रखने के बाद गैंग ने स्टाफ को भी धमकाया गया और चेतावनी दी गई कि पुलिस से संपर्क करने पर गंभीर नतीजे भुगतने होंगे.अब घटना के आधार पर पुलिस ने निकिता घाग, विवेक जगताप उर्फ दादा और उनके 1015 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, शस्त्र अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

श्वेता तिवारी

को खूबसूरती के मामले में टक्कर देती हैं अजय देवगन की पहली एक्ट्रेस, 56 की उम्र में भी ढा रहीं कहर

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने साल 1991 में फिल्म 'फूल और कांटे' से डेब्यू किया था. तब से लेकर अब तक अजय देवगन बॉलीवुड में बतौर लीड एक्टर काम कर रहे हैं. 56 साल की उम्र में भी अजय का फिल्मी पर्दे पर जलवा कायम है. वहीं दूसरी ओर अजय की पहली एक्ट्रेस मधु के साथ ऐसा नहीं हो सका. बॉलीवुड में सुपरहिट डेब्यू के बाद भी मधु कोई खास और बड़ी पहचान नहीं बना पाईं. आइए जानते हैं कि अब अजय की पहली एक्ट्रेस कहां और किस हाल में हैं और वो आज कल क्या कर रही हैं ?

अजय देवगन ने अपनी पहली ही फिल्म से फैंस के दिल जीत लिए थे और ये सिलसिला अब तक जारी है. इसमें उनके अपोजिट मधु नजर आई थीं. ये उनकी भी बॉलीवुड में पहली फिल्म थी. मधु को भी इससे पहचान मिल गई थी. इसके बाद भी वो कई फिल्मों में नजर आईं. हालांकि मधु टॉप एक्ट्रेस नहीं बन पाईं.

इन फिल्मों में नजर आईं मधु

फूल और कांटे के बाद मधु एक और बड़ी फिल्म 'रोजा' में नजर आई थीं. 1992 की इस तमिल फिल्म में भी उनके काम को काफी पसंद किया गया था. 90 के दशक में अभिनेत्री ने 'रावण राज', 'उड़ान', 'दिलजले', 'रिटर्न ऑफ ज्वेल थीफ', 'पहचान', 'हथकड़ी' और 'यशवंत' सहित करीब 50 फिल्मों में काम किया. बता दें कि मधु दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी की भतीजी और जूही चावला की देवरानी हैं. मधु ने साल 1999 में बिजनेसमैन आनंद शाह से शादी की थी और फिर फिल्मों से दूरी बना ली थी.

अब क्या कर रही हैं मधु ?

मधु ने बाद में फिल्मी दुनिया में वापसी की थी और अब भी वो एक्टिंग की फील्ड में एक्टिव हैं. हाल ही में उन्हें साउथ अभिनेता विष्णु मांचू की फिल्म 'कन्नप्पा' में देखा गया था. इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने कैमियो किया था.मधु इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव हैं और वो अक्सर ही सोशल मीडिया पर कोई न कोई तस्वीर और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं. 1969 में जन्मीं मधु अब 56 साल की हो चुकी हैं और इस उम्र में भी वो काफी फिट और खूबसूरत नजर आती हैं.

नहीं रहे 'सूर्यवंशी' के कांस्टेबल आशीष तांबे, बीमारी के चलते दुनिया को कहा अलविदा

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के लिए एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. कई बड़ी हिंदी और मराठी फिल्मों में नजर आ चुके एक्टर आशीष वारंग का निधन हो गया है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वो काफी समय से बीमार थे. आशीष के भाई अभिजीत वारंग ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर कर इस खबर की पुष्टि की है. एक्टर को आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म 'सूर्यवंशी' में देखा गया था.आशीष वारंग ने बॉलीवुड की कई कमाल की फिल्मों में अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी है.

उन्हें सूर्यवंशी, दृश्यम, मर्दानी जैसी और भी कई फिल्मों में देखा गया है. उन्हें फिल्मों में सपोर्टिंग एक्टर के तौर पर देखा गया है. हालांकि, उनकी डेथ के बाद से लोगों को काफी सदमा पहुंचा है. अभिजीत वारंग ने आशीष वारंग को याद करते हुए लिखा है, वारंग आशीष दादा, आपको बहुत मिस करेंगे. पहले आपने बतौर एयर फ़ोर्स ऑफिसर देश की सेवा की और फिर एक्टिंग के टैलेंट से देश का दिल जीत लिया.

सेना से एक्टिंग तक का सफर

उन्होंने आगे लिखा कि हमने एक अच्छा इंसान खो दिया. हम आपको बहुत मिस करेंगे बड़े भाई. अभिजीत की इस पोस्ट के बाद से ही सोशल मीडिया पर शोक की लहर दौड़ गई है. आशीष वारंग एक ऐसे अभिनेता थे जिनका सफर बेहद खास रहा. फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले, उन्होंने भारतीय वायु सेना में एक अधिकारी के रूप में राष्ट्र की सेवा की. भले ही आशीष वारंग ने मुख्य भूमिकाओं में ज्यादा काम नहीं किया, लेकिन वे कई बड़ी फिल्मों और टीवी शोज में एक परिचित चेहरा बन गए थे.

कई फिल्मों में दिखाया टैलेंट

उन्हें रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सूर्यवंशी' में कांस्टेबल आशीष तांबे की भूमिका में देखा गया था. ये फिल्म साल 2021 में आई थी, जिसे लोगों ने भी काफी पसंद किया था. इसके अलावा, वह 'एक विलेन रिटर्न्स', 'दृश्यम', और मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में भी नजर आए थे. अपनी छोटी-छोटी लेकिन प्रभावी भूमिकाओं से उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी थी.

मेरा शरीर मेरी चॉइस...अनुष्का शंकर की ड्रेस पर मचा बवाल, तो सितार वादक ने यूजर्स को दिया करारा जवाब

मशहूर सितार वादक और संगीतकार अनुष्का शंकर बीते कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में छाई हुई हैं. दरअसल उनकी एक ड्रेस को लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की थी, जो ड्रेस के चलते काफी वायरल हुई. तस्वीर में अनुष्का का बेहद ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा था. बस इसी वजह से वह विवादों का हिस्सा बन गईं. अब अनुष्का ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है.सितार वादक ने अपनी बॉडी शेमिंग के लिए आवाज उठाई है. उन्होंने जवाब देते हुए कहा, उनका शरीर किसी और का नहीं है जिस पर वे कमेंट करें. सितार वादक पंडित रविशंकर की पुत्री अनुष्का ने अपनी तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की, जिसके साथ मेल यूजर्स द्वारा की गईं उनके कपड़ों और शरीर के बारे में लैंगिकवादी टिप्पणियां भी अटैच की गईं.

ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

एक ने टिप्पणी की, भारतीय शास्त्रीय संगीत पवित्र संगीत है. लेकिन पहनावा मेल नहीं खा रहा है, दूसरे ने लिखा, आप धन्य हैं, लेकिन क्लीवेज दिखाने की कोई जरूरत नहीं है. 12 बार ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकित सितार वादक ने कहा कि एक तरह से यह सिर्फ एक शरीर है और इसमें कुछ भी विशेष नहीं है और दूसरी तरह से यह एक चमत्कार भी है कि इसने उन्हें प्रसव, बाल यौन शोषण, चार बड़ी सर्जरी और नशे की लत से उबारा.

उन्होंने इंस्टा पर लिखा, यह, यहां एक शरीर है. एक अर्थ में सिर्फ़ एक शरीर (हर किसी के पास एक होता है!) और इसलिए इसमें कुछ ख़ास नहीं है. दूसरे अर्थ में (हर शरीर की तरह!) यह भी एक चमत्कार है. जब मैं सोचती हूं कि मेरे शरीर ने मुझे किन-किन परिस्थितियों से गुज़रने में मदद की है, तो मैं कृतज्ञता से भर जाती हूं. 44 वर्षीय अनुष्का ने कहा कि उनका शरीर उनके लिए एक पूर्ण, शक्तिशाली योद्धा रहा है.

अनुष्का के जवाब में छलका दर्द

उन्होंने आगे कहा, इस शरीर ने दो बच्चों को जन्म दिया है, बाल यौन शोषण और पुरुषों के साथ कई खतरनाक स्थितियों से उबरी हैं, चार प्रमुख सर्जरी से उबरी हैं, ग्यारह वर्ष की उम्र से ही मासिक धर्म के दौरान भारी दर्द और माइग्रेन के साथ पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम से पीड़ित रही हैं, नशे की लत से बाहर आई हैं, अज्ञात न्यूरोडाइवर्जेंस (और इसके साथ जुड़े भ्रम, तनाव और थकावट) से जूझने में कामयाब रही हैं, एक ऑटोइम्यून विकार से लड़ी हैं और उससे निपटने में कामयाब रही हैं. इतना ही नहीं अनुष्का शंकर ने काफी कुछ लिखा और कहा कि वह उनका शरीर हैं और ये उनकी मर्जी है कि वो क्या पहनती हैं, किसी और को इस पर कमेंट करने का कोई हक नहीं.

ब्लॉकों पर आयोजित होगें सुरक्षा सैनिक व सुरक्षा सुपरवाइजर की भर्ती शिविर: रजनीश

हरदोई । जनपद हरदोई के सभी बेरोजगार युवकों के पास सुरक्षा सैनिक व सुरक्षा सुपरवाइजर, कैश ऑफिसर तथा अधिकारी वर्ग में नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में तथा जिला सेवायोजन अधिकारी हरदोई के सहयोग से भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली और एस आई एस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में 08 सितम्बर 2025 से जनपद हरदोई के सभी ब्लॉकों में सुरक्षा सैनिक सुरक्षा, सुपरवाइजर, कैश अधिकारी तथा अधिकारी वर्ग के पदों पर भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला सेवायोजन अधिकारी हरदोई ने सभी खंड विकास अधिकारियों को सूचना जारी कर दी है।

एसआईएस इंडिया लिमिटेड के कमांडेंट रजनीश कुमार यादव ने बताया कि भारतीय संविधान के पसारा एक्ट 2005 के अनुसार एसआईएस इंडिया लिमिटेड देश की सबसे बड़ी सुरक्षा (बहुराष्ट्रीय) कंपनी है जो भारत के अतिरिक्त विदेश में भी सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों पर सुरक्षा प्रदान करती है। इसी कंपनी में बेरोजगार युवकों को रोजगार देने के लिए शिविरों के आयोजन का कार्यक्रम जारी किया गया है। कोई भी अभ्यर्थी किसी भी ब्लॉक के शिविर में हिस्सा लेकर भर्ती हो सकता है। यह भर्ती 08 सितंबर को अहिरौरी, 09 को हरपालपुर, 10 को साण्डी, 11 को पिहानी, 12 को माधौगंज, 15 को टड़ियावां, 16 को कोथावां, 18 को सण्डीला तथा 19 सितम्बर 2025 को बेहंदर ब्लॉक में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इन पदों के लिए आवेदक की आयु 19 से 40 वर्ष, शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल होना अनिवार्य है तथा वेतन रू0- 15 से 20 हजार होगी, अधिक जानकारी के लिए भर्ती शिविर के प्रभारी रजनीश कुमार यादव कमांडेंट एस०आई०एस लिमिटेड मोबाइल नंबर 8557808683 से संपर्क किया जा सकता है।

औरैया : गौतस्करी में वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

औरैया। जिले में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार सुबह पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। एसओजी टीम और बिधूना थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम शामपुर तिराहा मोड़ के पास मुठभेड़ के दौरान गौतस्करी के मामले में वांछित आरोपी रघुवीर बंजारा को गिरफ्तार कर लिया गया।

दरअसल, शनिवार देर रात थाना बिधूना क्षेत्र के ग्राम शामपुर रोड पर अवैध गौवंश से भरा एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया था। इस हादसे में कंटेनर में भरे कुल 19 गौवंशों में से 12 की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, 7 गौवंश जीवित बचे, जिनमें से 4 मौके से फरार हो गए जबकि 3 को पुलिस ने सुरक्षित पकड़कर निकटवर्ती गौशाला में भिजवा दिया। घटना के बाद से ही पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।

पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने बताया कि इस मामले में वांछित आरोपी रघुवीर बंजारा पुत्र सोराम बंजारा, निवासी किशनेवातो की खेड़ी, पटेल नगर, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) को चेकिंग के दौरान ग्राम शामपुर तिराहा के पास देखा गया। रोकने का प्रयास करने पर उसने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोली चलाई। मुठभेड़ में आरोपी घायल हो गया, जिसे तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना भेजा गया। एसपी ने बताया कि आरोपी पर थाना बिधूना में गौतस्करी से संबंधित अभियोग पंजीकृत है और वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर अन्य सहयोगियों और गौतस्करी के नेटवर्क से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास करेगी।

दिल्ली के लाडपुर गांव में आर्य समाज द्वारा दसवां वार्षिक महोत्सव मनाया गया

रिपोर्ट- शिवानी कौर

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के लाडपुर गांव में आर्य समाज द्वारा दसवां वार्षिक महोत्सव में बड़े ही उल्लास व खुशी के साथ मनाया गया। संगठन के सदस्य आर्य सजीत, आर्य रमेश, मोहित, नवीन, परमजीत, महताब सहित द्वारा अनेक संगठनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर समाजसेवियों व दिग्गजों का मनोबल बढ़ाया गया। आर्य समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आर्य समाज द्वारा कई सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। लाडपुर आर्य समाज से आए सभी महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजबीर सिंह डबास, विजय गुप्ता, तेजेन्द्र डबास, अरविंद डबास, बलजीत, प्रवीन, सोमदत्त शर्मा, हरकेश महेन्द्र, अंशु डबास सहित समिति के सभी लोगो को सम्मानित किया गया।

हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस पर की फायरिंग, मुठभेड़ में गिरफ्तार

बागपत। बागपत जिले की बिनोली पुलिस पर हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने साथियों के साथ मिलकर फायरिंग की है। पुलिस चेकिंग के दौरान हुई इस घटना के बाद पुलिस की जवाबी कारवाई में एक बदमाश को गोली लगी है जबकि दो बदमाश भाग निकले। पुलिस दोनों बदमाशो की तलाश कर रही है।

घटना शनिवार देर रात की है। थाना बिनौली पुलिस माखर पुलिया पर चैकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर सवार तीन बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगे पुलिस ने रोका तो उन्होंने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कारवाई की है। जवाबी कारवाई में राजा उर्फ सलमान पुत्र युसुफ निवासी नई बस्ती ग्राम व थाना सिंघावली अहीर जनपद बागपत को घायलावस्था में गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा व दो खोखा कारतूस और एक बाइक एचएफ डीलक्स बिना नम्बर प्लेट बरामद हुई है। उसके दो साथी रात के अंधेरे में भाग निकले। फरार दोनों बदमाशों की कॉम्बिग कर तलाश की जा रही है।

बिनोली थाना प्रभारी राकेश शर्मा का कहना है कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़ा गया बदमाश राजा उर्फ सलमान थाना सिंघावली अहीर का हिस्ट्रीशीटर है। इस पर आठ से अधिक अभियोग पंजीकृत है।

प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा का दूसरा दिन 35 केंद्रों पर 31 हजार अभ्यर्थी दे रहे परीक्षा

जौनपुर। जिले में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा का दूसरा दिन है। जिले के 35 परीक्षा केंद्रों पर आज दो पालियों में 31 हजार अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं।परीक्षा केंद्रों पर तीन स्तरीय सघन चेकिंग की जा रही है। परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक, फेस स्कैनिंग और आई स्कैनिंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है।सुरक्षा व्यवस्था के लिए 35 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 35 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। खुफिया विभाग की टीम भी सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी कर रही है।प्रश्न पत्रों को कलेक्ट्रेट के कोषागार से डबल लॉक में रखकर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। पहली पाली के लिए सुबह 8:30 बजे तक और दूसरी पाली के लिए दोपहर 1:30 बजे तक प्रश्न पत्र पहुंचाए जाएंगे।परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाएं और बचे हुए प्रश्न पत्र भी डबल लॉक में कड़ी सुरक्षा के साथ जमा किए जाएंगे। परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस कर्मियों की विशेष तैनाती की गई है।नगर के तिलकधारी महाविद्यालय और बी आर पी इंटर कॉलेज शिया कॉलेज मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज में परीक्षार्थियों की भारी भीड है।नगर के बस स्टैंड रेलवे स्टेशन पर प्रशिक्षार्थियों और अभिभावकों की भीड़ लगी है।

संदिग्ध दशा में विवाहिता की मौत, ससुरालियों पर हत्या का आरोप

कौशांबी। सैनी कोतवाली के गुलामीपुर गांव में संदिग्ध दशा में घर के भीतर विवाहिता की मौत हो गई।

विकास नगर साप्ताहिक रविवार बाजार लगाने को लेकर बवाल, रेडी-पटरी वालों ने किया प्रदर्शन

रिपोर्ट- शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली- दिल्ली के विकास नगर में हर रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाने को लेकर बड़ा मामला सामने आया है दरअसल बाजार लगाने वाले रेडी-पटरी वालों का कहना है कि काफी लंबे समय से विकास नगर में प्रत्येक रविवार को यह साप्ताहिक बाजार लगता आ रहा हैं। लेकिन अब नगर निगम द्वारा यह बाजार नहीं लगने दिया जा रहा जिस कारण बाजार लगाने वाले लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा हैं। रेडी-पटरी बाजार वालों का कहना है कि पिछले कई सालों से वह शिव विहार क्षेत्र में साप्ताहिक रविवार बाजार लगाते आ रहे है आप अब पिछले कुछ समय से यह बाजार विकास नगर में लग रहा है लेकिन प्रशासन की मनमानी के कारण अब बाजार नहीं लगने दिया

जा रहा। वहीं दूसरी स्थानीय निगम पार्षद का कहना कि बाजार लगने के कारण स्थानीय लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं।

आए दिन चोरी और मारपीट के मामले सामने आते है जिस कारण इस बाजार को हटाया जा रहा हैं।

विश्व प्रसिद्ध लव कुश रामलीला कमेटी ने नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजित की

दिव्य दिल्ली : विश्व प्रसिद्ध लव कुश रामलीला कमेटी ने नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजित की। कमेटी के प्रेसीडेंट अर्जुन कुमार ने बताया कि इस वर्ष रामलीला मंचन 22 सितंबर से 3 अक्तूबर तक लालकिला मैदान में होगा और दशहरा पर्व 2 अक्तूबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार की रामलीला ऐतिहासिक और भव्य होगी, जिसमें बॉलीवुड के 15 स्टार्स और 140 कलाकार शामिल होंगे। मंचन को हाईटेक तकनीक, एआई, 3डी मैपिंग और विजुअल इफेक्ट्स के जरिए पेश किया जाएगा, जिसे 150 चैनलों और यूट्यूब के माध्यम से 25 करोड़ से अधिक दर्शक लाइव देखेंगे। इस बार राम, सीता और हनुमान के किरदार क्रमशः किंशुक वैध, रिनी आर्या और मल्हार पांड्या निभाएंगे। पंडाल को भव्य रूप देने के लिए

देशभर के कारीगर काम कर रहे हैं, साथ ही फूडकोर्ट और झूलों की भी व्यवस्था की जाएगी।

कमेटी के महासचिव सुभाष गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों का संगम होगा। वहीं चेयरमैन पवन गुप्ता और उपाध्यक्ष सत्यभूषण जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर स्वास्थ्य शिविर, दिव्यांगों को सामान, महिलाओं को साड़ी और बच्चों को स्टेशनरी वितरित की जाएगी। रामलीला से पूर्व भजन गायक कन्हैया मित्तल खाटू श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगे।

पुलिस अफसरों ने निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए

लखनऊ। अपर पुलिस महानिदेशक (रेलवे) प्रकाश डी. द्वारा (पीएटी) परीक्षा के दृष्टिगत तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा अभ्यर्थियों से संवाद स्थापित कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, रेलवे लखनऊ सुधा सिंह, पुलिस अधीक्षक, रेलवे लखनऊ रोहित मिश्रा, क्षेत्राधिकारी, रेलवे (द्वितीय) हृषिकेश यादव, स्टेशन अधीक्षक अरविंद बघेल सहित रेलवे, आरपीएफ एवं जीआरपी के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों हेतु हेल्प डेस्क, होल्डिंग एरिया, पेयजल व चिकित्सा जैसी सुविधाओं का अवलोकन किया गया तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मृतक स्वामी नाथ पटेल के परिजनों को जिलाध्यक्ष बनाया गंगापार ने ढांढस बंधाया

मऊआइमा। विधानसभा सोरांव के मऊआइमा ग्राम सभा मानीउमर (रमना) निवासी स्वामी नाथ पटेल की शुक्रवार को नहर में डूबने से मौत हो गई जिसकी जानकारी मिलने पर शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने उनके आवास पर पहुँचकर परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर मृतक स्वामी नाथ पटेल की पत्नी ने आर्थिक सहायता दिलाने के लिए जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसपर जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने उन्हें हर सम्भव मदद का भरोसा दिया और कहा कि मैं

ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष शारदा प्रसाद शुक्ला, शिवबाबू मोदनवाल, महेश माली, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

नब्बे दिवसीय मधुमक्खी पालन नि:शुल्क प्रशिक्षण कराने को उद्यान विभाग ने मांगा आवेदन

प्रयागराज। मधुमक्खी पालन के नब्बे दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने आवेदन मांगा है। हालांकि अभ्यर्थी को रहने एवं खाने की व्यवस्था अभ्यर्थी को स्वयं करना होगा। यह जानकारी रविवार को राजकीय उद्यान अधीक्षक प्रयागराज उमेश चन्द उत्तम ने दी।

उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों में पर-परागण से पौधों की जीवितता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि के साथ-साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवस्था अपनाये जाने की आवश्यकता है, जिसमें भूमि की ज्यादा जरूरत न हो। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन (मधुमक्खी) पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज में दीर्घकालीन मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है।

जाने कब से शुरू होगा प्रशिक्षण, क्या होगी योग्यता

मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन माह (90 दिवसीय) का प्रशिक्षण सत्र 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर राजकीय मौन पालन प्रशिक्षण केन्द्र, कंपनी बाग, प्रयागराज होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। लेकिन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षार्थियों को रहने व खाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

इस प्रशिक्षण में पुरुष एवं महिलाएं भाग ले सकती हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 पास होना आवश्यक है। अधीक्षक राजकीय उद्यान के कार्यालय से सम्पर्क कर निर्धारित प्रारूप पर 15 सितम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दो सम्भ्रान्त व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र आवश्यक है।

सर्पदंश से दादी व पोती की मौत

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के अहमदपुर गांव में शुक्रवार की रात एक ही चारपाई पर सो रही दादी और पोती को सर्प ने डंस लिया। उपचार के दौरान पोती की मौत हो गई थी। जबकि हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने दादी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था । परिजनों के अनुसार रात में खाना खाने के बाद मैना देवी (62) अपनी पोती अंशिका (7) के साथ घर के एक कमरे में चारपाई पर सो रही थी।

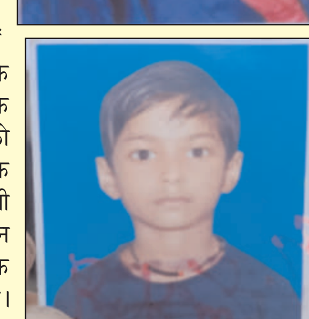

एक ही चारपाई पर सो रही थीं दोनों, पैर में सर्प ने डंसा

कमरे का प्लास्टर अभी नहीं हुआ था। परिवार के लोगों के मुताबिक भोर में सर्प ने दोनों के पैर में डंस लिया। पोती को उल्टी शुरू हो गई। जबकि बगल में सो रही दादी की भी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन दोनों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं पहुंचे। जहां उपचार के दौरान अंशिका की मौत हो गई। वहीं, चिकित्सकों ने मैना देवी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गयी । सूचना पर क्षेत्रीय लेखपाल प्रमोद श्रीवास्तव घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल किए। अंशिका दो बहनों में छोटी और एक भाई से बड़ी थी। मड़ियाहूं उपजिलाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि सर्पदंश से पोती व दादी की इलाज के दौरान मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शासन के द्वारा आर्थिक सहायता राशि दी जायेगी।

अखिलेश यादव पर भाजपा का पलटवार, सपा राज में लालबत्ती की गाड़ियों में घूमते थे माफिया

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कई विषयों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि अखिलेश यादव, जिनके अपने ही घर कांच के बने हों, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा सरकार का कुख्यात नारा सबको याद है, ह्लसमाजवादी पार्टी का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है।ह्व रद्दी में पड़े अखबारों का हर पन्ना गवाही देता है कि सपा राज में माफिया लालबत्ती की गाड़ियों में घूमते थे, खुलेआम कानून को चुनौती देते थे, दंगे यूपी की पहचान बन गए थे, जातिवाद और भ्रष्टाचार अपने चरम पर था और आम जनता का जीना दूभर हो गया था।भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने

आगे लिखा कि ये सब किसके संरक्षण में हो रहा था, यह बताने की जरूरत नहीं है। जनता भी जानती है और आप भी। आज डबल इंजन वाली भाजपा सरकार में दंगे भी बंद हैं और दंगाई भी बंद हैं। जहां तक पीडीए के ढोंग की बात है, वो आप रहने दीजिए। हाल ही में आपने जिस तरह एक पिछड़े समाज से आने वाली बहन (पूजा पाल) के साथ व्यवहार किया, वो पूरे प्रदेश ने देखा है और रही बात दरार की, तो आप खुद ही जानते हैं चाचा + भतीजा = 0 नतीजा।

उल्लेखनीय है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा ?था कि समाज में दरार डालते-डालते भाजपा खुद ही दरारों से भर गयी है।

भाजपाइयों को जमीन-कब्जा, भ्रष्टाचार, अंदरूनी लड़ाई और आपसी उठा-पटक से फुरसत मिले तब तो वे संगठन के बारे में सोचें। इसके बारे में सपा अध्यक्ष ने भाजपा के खात्मे के मूल कारण गिनाये।

10 सितम्बर से होगा खाद्यान्न वितरण: जिला पूर्ती अधिकारी

हरदोई। जिला पूर्ती अधिकारी ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न, का निःशुल्क वितरण तथा अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर, 2025 के सापेक्ष चीनी का वितरण माह सितम्बर, 2025 में 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 के मध्य वितरण कराया जायेगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321